वर्ष : 27 अंक : 27 website:www.chetnamanch.com नोएडा, शुक्रवार, 17 जनवरी, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

महाकुंभ 2025

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

विकसित भारत का मजबूत स्तम्भ है मोबिलिटी सेक्टर : प्रधानमंत्री

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत मंडपम में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने ऑटो एक्सपो में लगाई गई गाड़ियों का अवलोकन भी किया। ग्रेटर नोएडा के एक्सपोमार्ट में भी 19 जनवरी से ऑटो एक्सपो लगाया जाएगा।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत की ऑटोमोटिव इंडस्ट्री जबरदस्त भी है और भविष्य के लिए तैयार भी है। भारत की ऑटो इंडस्ट्री पिछले साल में लगभग 12 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है। इतनी कई देशों की आबादी नहीं है, जितनी भारत में हर साल गाड़ियां बिक रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आप कल्पना करें कि जब भारत विश्व की सबसे बड़ी तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा, तब भारत का ऑटो मार्केट कहां होगा। विकसित भारत की यात्रा मोबिलिटी सेक्टर की भी अभूतपूर्व विस्तार की यात्रा होने वाली है।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के विस्तार के लिए नीतिगत फैसले ले रही है। फेम-2 योजना 5 साल पहले शुरू की गई थी। सब्सिडी के तौर पर 8000 करोड़ रुपये से ज्यादा दिए गए हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया। इससे 16 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों को सपोर्ट मिला। इनमें 5000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें हैं। दिल्ली में भारत सरकार की ओर से दी गई 1200 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि एक साल में करीब 2.5 करोड़ कारों की बिक्री बताती है कि भारत में मांग कितनी तेजी से बढ़ रही है। पैसेंजर व्हीकल मार्केट की बात करें तो हम दुनिया में तीसरे नंबर पर हैं। एक समय भारत

उत्तर प्रदेश में 31 आईएएस के तबादले

मेरठ, अलीगढ़, आगरा के मंडलायुक्त व गाजियाबाद के जिलाधिकारी बदले

यीडा की एसीईओ श्रुति बनी बुलंदशहर की डीएम

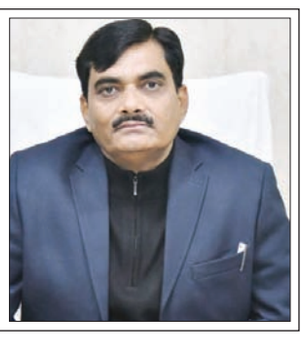

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ी संख्या में IAS अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं । उत्तर प्रदेश में तैनात 31 IAS अधिकारियों को एक झटके में बदल दिया गया है। उत्तर प्रदेश में तैनात IAS अधिकारियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने निर्देश दिया है कि तबादला आदेश मिलते ही तमाम अधिकारी अपने नए पदों पर अपना पद भार ग्रहण कर लें। उत्तर प्रदेश में 14 जिलों के जिलाधिकारी व तीन मंडल आयुक्त के तबादले किए गए हैं। आगरा के मंडला आयुक्त रितु माहेश्वरी का तबादला कर उन्हें चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण में सचिव बनाया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गुरुवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए तीन मंडलायुक्त व 14 जिलाधिकारी सहित 31 आईएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। इस तबादले में हाल ही में सचिव स्तर पर प्रोन्नत हुए लखनऊ के जिला अधिकारी सूर्यपाल गंगवार और कानपुर नगर में जिलाधिकारी के पद पर तैनात राकेश कुमार सिंह को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सचिव नियुक्त किया गया है, जबकि बाराबंकी के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार को विशेष सचिव का कार्यभार सौंपा गया है।

वहीं अब लखनऊ के डीएम का कार्यभार विशाख जी. को सौंपा गया है, जो फिलहाल अलीगढ़ के डीएम पद पर कार्यरत थे। इसके अलावा मेरठ, आगरा व अलीगढ़ में नए मंडलायुक्त के साथ ही बुलंदशहर, मथुरा, **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

प्रमुख सचिव ने की तीनों प्राधिकरणों की समीक्षा बैठक

नोएडा/ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आज उप्र औद्योगिक विकास विभाग एवं अवस्थापना के प्रमुख सचिव आलोक कुमार द्वितीय ने तीनों प्राधिकरणों के शीर्ष अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में आज सबसे पहले नोएडा प्राधिकरण की समीक्षा बैठक की गई। जिसमें नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम, एसीईओ संजय खत्री, एसीईओ वंदना त्रिपाठी, जल एवं सीवर विभाग के महा प्रबंधक आरपी सिंह, जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, ओएसडी क्रांति शेखर, सीएपी इशितहाक अहमद आदि शीर्ष **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

संगम ढाबा में लाइसेंस बिना परोसी शराब

नोएडा (चेतना मंच)। नयाबांस गांव में स्थित संगम ढाबा रेस्टोरेंट में बिना लाइसेंस के शराब पिलाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आबकारी विभाग के कार्रवाई के दौरान रेस्टोरेंट का मालिक और मैनेजर मौके से फरार हो गए। आरोपियों के खिलाफ थाना फेज वन में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

सर्किल वन के आबकारी निरीक्षक गौरव चंद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी टीम सहित क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि नया बांस गांव स्थित संगम ढाबा रेस्टोरेंट में बिना लाइसेंस के ग्राहकों को अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही है।इसके अलावा रेस्टोरेंट में निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर ग्राहकों को शराब भी बेची जा रही है। सूचना के आधार पर आबकारी विभाग की टीम ने रेस्टोरेंट पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान रेस्टोरेंट में टेबलों पर बैठे व्यक्ति शराब व बीयर के जाम छलकाते हुए दिखाई दिए। आबकारी विभाग की टीम को देखकर शराब पी रहे लोगों में भगदड़ मच गई। इसका फायदा उठाकर रेस्टोरेंट के काउंटर पर बैठे दो लोग मौके से फरार हो गए। आबकारी विभाग की टीम ने रेस्टोरेंट की तलाशी ली तो यहां से बियर व शराब की बोतल बरामद हुई। रेस्टोरेंट में लोगों को शराब और खाना परोस रहे राजू पुत्र रमेश व सुनील यादव पुत्र गिरधारी यादव को विभाग की टीम ने दबोच लिया। पकड़े गए दोनों आरोपियों ने बताया कि वह रेस्टोरेंट के कर्मचारी हैं और टीम के आने पर होटल मालिक वरुण शर्मा और मैनेजर अनूप सिंह दोनों फरार हो गए हैं। होटल मलिक व मैनेजर के कहने पर ही वह ग्राहकों को ऊंची दरों पर शराब बेचने व पिलाने का कार्य करते हैं।आबकारी निरीक्षक ने बताया कि मौके से बरामद बियर की 15 केन, शराब के पव्वे व खाली बोतलों को जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए दोनों आरोपियों को थाना फेज वन पुलिस के हवाले कर **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

सैफ अली पर हमला करने वाला पुलिस हिरासत में

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमला करने के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। उसे हिरासत में लेकर बांद्रा पुलिस स्टेशन में पूछताछ की जा रही है। यह संदिग्ध दिखने में हूबहू वैसा ही है, जैसा सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है। संदिग्ध ने 2-3 दिन पहले अभिनेता शाहरूख के घर में घुसने की कोशिश की थी। मुंबई डीसीपी का कहना है कि जिस शख्स को लेकर अभी पुलिस स्टेशन लाए हैं। वह हाउस ब्रेकिंग का आरोपी है। उस पर पहले भी हाउस ब्रेकिंग के मामले दर्ज हैं और पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

मुंबई के बांद्रा स्थित सैफ अली खान पर 16 जनवरी की रात को अटैक किया गया था। दरअसल एक अज्ञात शख्स चोरी करने के मकसद से सैफ-करीना के घर में दाखिल हुआ था। सैफ से हुई हाथापाई के दौरान हमलावर ने उन पर कई वार किए थे, जिसके बाद उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस की 20 टीमों का गठन किया गया था। हर टीम को अलग-अलग टास्क दिया गया था। बता दें कि सैफ अली खान बिल्डिंग के 12वें फ्लोर पर रहते हैं। सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर पुलिस ने हमलावर की तलाश शुरू कर दी थी। जांच अधिकारियों का मानना है कि हमलावर ने सैफ के घर से भागने से पहले अपने कपड़े बदले थे।

ससुराल आये युवक की हादसे में मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र के ग्राम बंबावड़ के पास अज्ञात वाहन ने युवक को टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल हुए युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। युवक अपनी ससुराल लडपुरा में आयोजित एक समारोह में हिस्सा लेने के लिए जा रहा था। ग्राम नाहल जनपद गाजियाबाद निवासी मोहित सागर 11 जनवरी की शाम को खेकड़ा हाईवे पेरीफेरल से अपनी ससुराल ग्राम लडपुरा में आयोजित एक समारोह में शामिल होने के लिए बस से आया था। पेरीफेरल दादरी निकासी से पूर्व वह बरसात ओर अंधेरा होने के कारण वह रास्ते में उतर गया। बंबावड़ गांव के सामने किसी अज्ञात वाहन ने मोहित सागर को टक्कर मार दी। **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

गांव सीदीपुर के दो घरों में सेंध

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जारचा क्षेत्र के ग्राम सीदीपुर में चोरों ने दो घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। चोर डेढ़ लाख रुपए की नगदी व लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। ग्राम सीदीपुर निवासी सोमबीर ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 15 जनवरी को वह अपनी ड्यूटी पर चला गया था। शाम के समय उसकी पत्नी व बच्चे एक शादी समारोह में सम्मिलित होने के लिए चले गए थे। ड्यूटी खत्म करने के बाद सुबह 6 बजे जब वह घर वापस आया तो उसके दरवाजे पर लगा ताला टूटा हुआ मिला। घर के भीतर जाने पर उसे सारा सामान बिखरा हुआ व अलमारी का ताला टूटा हुआ मिला। सोमवीर सिंह के मुताबिक चोर अलमारी **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

डीजे बजाने पर झगड़ा सिर में घोंपी कैंची

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी क्षेत्र के बड़ा बाजार में तेज आवाज में गाना बजाने का विरोध करना एक युवक को महंगा पड़ा। पिता व पुत्र ने मिलकर युवक की पिटाई कर दी और उसके सिर में कैंची घोप दी। चौधरी रेस्टोरेंट वाली गली में रहने वाले आसिफ ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी दुकान पर काम कर रहा था। इस दौरान पड़ोस में रहने वाला शकील व उसका बेटा अरजान तेज आवाज में गाने बजा रहे थे। उसने जब तेज आवाज में गाना बजाने का विरोध किया तो दोनों उसके साथ गाली गलौज करने लगे। गाली देने का विरोध करने पर पिता पुत्र ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और इस दौरान उसके सिर में कैंची मार दी। **(शेष-5 पर)**

सर्विस सेंटर में युवक पर लोहे की रॉड से हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित रोहन मोटर्स सर्विस सेंटर पर कार की सर्विस कराने आए युवक के साथ मिस्त्री ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। झगड़े के दौरान मिस्त्री ने युवक पर लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। ग्राम पाली निवासी रितेश भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 9 अक्टूबर को उसका छोटा भाई विवेक भाटी अपनी कार की सर्विस कराने के लिए सूरजपुर स्थित रोहन मोटर्स सर्विस सेंटर पर गया था। इस दौरान कार की सर्विस कर रहे **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

दिल्ली मेट्रो में मिले छात्रों को छूट

केजरीवाल ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने चिट्ठी के जरिए मांग की है कि छात्रों को दिल्ली मेट्रो में 50 प्रतिशत छूट हो। केजरीवाल का कहना है कि दिल्ली मेट्रो में केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों का हिस्सा है। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों इससे होने वाला खर्चा वहन करें। हम बस में छात्रों के लिए फ्री बस यात्रा की योजना बना रहे हैं।

दिल्ली के पूर्व सीएम ने अपने पत्र में लिखा, %मैं दिल्ली के स्कूल और कॉलेज के छात्रों से संबंधित एक महत्वपूर्ण मामले पर

आपका ध्यान आकर्षित करने के लिए ये पत्र लिख रहा हूं। दिल्ली के छात्र अपने स्कूल अथवा कॉलेज **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

ट्रांसफार्मर का वाल्व काटकर तेल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। सर्दी के मौसम में चोर विद्युत ट्रांसफार्मरों को निशाना बना रहे हैं। चोरों ने अब सोरखा गांव में लगे विद्युत ट्रांसफार्मर का वाल्व काटकर तेल चोरी कर लिया। विद्युत विभाग के अवर अभियंता ने थाना सेक्टर-113 में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सेक्टर-117 के विद्युत उपकेंद्र पर कार्यरत अवर अभियंता महिपाल सिंह ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 16 जनवरी की रात्रि को चोरों ने सोरखा गांव की गौशाला के निकट लगे 400 केवीए के ट्रांसफार्मर का वाल्व काटकर 420 लीटर तेल चोरी कर लिया। **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

CISF कर्मी से ऑन लाइन फ्रॉड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एनटीपीसी में कार्यरत सीआईएसएफ कर्मी सहित दो लोगों के खातों से लाखों रुपए निकल गए। पीड़ितों ने अज्ञात साइबर ठगों के खिलाफ संबंधित थानों में मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना जारचा क्षेत्र के एनटीपीसी प्लांट में कार्यरत सीआईएसएफ कर्मी ने अपने साथ ऑनलाइन पैसे निकाले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है।। सीआईएफ के आरक्षक सिराज अंसारी ने बताया कि 26 अक्टूबर से 27 अक्टूबर के मध्य चार बार में उसके क्रेडिट कार्ड से एक लाख 37 हजार रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ। मोबाइल पर मैसेज आने पर उसे क्रेडिट कार्ड से हुई ट्रांजैक्शन की जानकारी मिली। पीड़ित के मुताबिक उसने अपने क्रेडिट कार्ड से कोई भी ट्रांजैक्शन नहीं किया था। आरक्षक सिराज

अंसारी के मुताबिक किसी साइबर अपराधी ने धोखाधड़ी करते हुए उसके क्रेडिट कार्ड से पैसों का ट्रांजैक्शन कर लिया। उसने बैंक से संपर्क कर अपने कार्ड को ब्लॉक कराया और साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। आरक्षक की शिकायत पर थाना जारचा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

मूल रूप से जनपद कानपुर देहात निवासी मनोज कुमार पाठक ने थाना बिसरख में अपने **(शेष पृष्ठ-5 पर)**

(हम भीड़ मे दौड़ना नहीं जीतना सिखाते हैं)
कोड 0910011910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर-22, नोएडा 8750611103
*फीस ना के बराबर *निःशुल्क एडमिशन फीस
केवल 10 महीने की मासिक फीस

सेहत से खिलवाड़

आर्थिक विषमताओं के बावजूद देश के लोगों में मोटापे की प्रवृत्ति का बढ़ना एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। इस संकट का विरोधाभासी पक्ष यह है कि अमीर संग गरीब भी मोटापे का शिकार हैं। जिसकी वजह से देश की आबादी के लिये मोटापे के मानकों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है। इस बाबत नवीनतम दिशानिर्देश समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। दरअसल, पारंपरिक बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई नये परिदृश्य में मोटापे को तार्किक रूप से परिभाषित नहीं करता। ये हमारी शरीर में बढ़ी चर्बी को नहीं दर्शाता। यह वजह है कि नये मानक पेट की चर्बी को प्राथमिकता देते हैं। दरअसल, हमारी शरीर की बढ़ी हुई चर्बी ही कालांतर मधुमेह और हृदय रोग जैसे चयापचय संबंधी विकारों को जन्म देती है। जो भारतीयों को असमान रूप से परिभाषित करता है। यही वजह है कि अब बीएमआई को माटापे नापने में अपर्याप्त माना जा रहा है। दरअसल, मोटाप नापने का परंपरागत मानक आनुवंशिक व शारीरिक संरचना के अंतर को नजरअंदाज करता है। जिसके विकल्प के रूप में अब कमर की परिधि और कमर से ऊंचाई के अनुपात को अधिक विश्वसनीय संकेतक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। दरअसल, वर्ष 2019-21 की अवधि के दौरान किए गये राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 23 फीसदी महिलाएं अधिक वजन वाली और चालीस फीसदी मोटे पेट वाली थीं। जबकि 22 फीसदी पुरुष अधिक वजन वाले और 12 प्रतिशत मोटे पेट वाले थे। विरोधाभासी रूप से गरीबों में भी इसका प्रभाव नजर आया है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों के बावजूद लोग कैलोरी सघन व पोषक तत्वों की कमी वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के विकल्प को चुनते हैं। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाले अधिक वजन वाले तो हो जाते हैं मगर रहते कुपोषित ही हैं। दरअसल, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निष्क्रिय जीवनशैली ने भी मोटापे की समस्या को बढ़ाया है। यह संकट उन कम आय वाले समूहों में भी है, जहां स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा की कमी इससे जुड़े जोखिमों को बढ़ा देती है। निर्विवाद रूप से पोषण संबंधी खामियों और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण ही मोटापे की समस्या बढ़ रही है। खासकर शहरी क्षेत्रों में जंक फूड का बढ़ता प्रचलन इस समस्या को बढ़ा रहा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामर्थ्य के अभाव में असंतुलित आहार जैसी चुनौतियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया में बाजार के भ्रामक प्रचार के चलते युवा स्वास्थ्य की बजाय सौंदर्यशास्त्र को प्राथमिकता देते हैं। जिसके लिये वे असुरक्षित आहार या कृत्रिम सप्लीमेंट का सहारा ले रहे हैं। राष्ट्रीय मधुमेह, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन के शोध के निष्कर्ष मोटापे के लिये दो चरणीय वर्गीकरण प्रणाली पेश करते हैं। पहला उपचार पूर्व प्रयास और दूसरा उपचार। इस साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण का उद्देश्य बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को संबोधित करना, संतुलित जीवन शैली को अपनाना और मोटापे की महामारी पर अंकुश लगाना है। निश्चय ही तेजी से बढ़ते गैर संक्रामक रोगों पर अंकुश लगाने के लिये मोटापा दूर करने के गंभीर प्रयासों की जरूरत है। बदलते सामाजिक व आर्थिक परिदृश्य में लोगों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के लिये नीति-नियंताओं, स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले पेशेवरों और जागरूक नागरिकों के सहयोगात्मक प्रयासों की जरूरत है। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम संतुलित भोजन के साथ अपनी शारीरिक सक्रियता को बढाएं। सप्ताह में हमारे व्यायाम, खेल, तैराकी, जिम व योग-प्राणायाम के न्यूनतम घंटे निर्धारित होने चाहिए। निर्विवाद रूप से हमारे खानपान का संयम, गतिशील जीवन और प्रकृति के अनुरूप खानपान चर्बी घटाने में सहायक हो सकता है। यदि हम ऐसा करते हैं तो हमारे शरीर में अनावश्यक चर्बी जमा नहीं होगी और हम मधुमेह, उच्च रक्तचाप व हृदय रोग जैसी चुनौतियों का सामना करने से बच सकते हैं। दरअसल, सिर्फ मोटापा ही समस्या नहीं है बल्कि यह रोगों का पूरा कुनबा साथ लेकर चलता है। जिसे हम अनुशासित जीवन शैली और खानपान में सावधानी से ही टाल सकते हैं। अंततः हम अनुशासित जीवनचर्या व संतुलित आहार से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे मुनीश्वर! रामचरित्र अत्यन्त अपार है। सौ करोड़ शेषजी भी उसे नहीं कह सकते। तथापि जैसा मैंने सुना है, वैसा वाणी के स्वामी (प्रेरक) और हाथ में धनुष लिए हुए प्रभु श्री रामचन्द्रजी का स्मरण करके कहता हूँ॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

सारद दारुनारि सम स्वामी। रामु सूत्रधर अंतरजामी॥
जेहि पर कृपा करहिं जनु जानी। कबि उर अजिर नचावहिं बानी॥

सरस्वतीजी कठपुतली के समान हैं और अन्तर्यामी स्वामी श्री रामचन्द्रजी (सूत पकड़कर कठपुतली को नचाने वाले) सूत्रधार हैं। अपना भक्त जानकर जिस कवि पर वे कृपा करते हैं, उसके हृदय रूपी आँगन में सरस्वती को वे नचाया करते हैं॥

प्रनवउँ सोइ कृपाल रघुनाथा। बरनउँ बिसद तासु गुन गाथा॥
परम रम्य गिरिबरु कैलासू। सदा जहाँ सिव उमा निवासू॥

उन्हीं कृपालु श्री रघुनाथजी को मैं प्रणाम करता हूँ और उन्हीं के निर्मल गुणों की कथा कहता हूँ। कैलास पर्वतों में श्रेष्ठ और बहुत ही रमणीय है, जहाँ शिव-पार्वतीजी सदा निवास करते हैं॥

दो0-सिद्ध तपोधन जोगिजन सुर किंनर मुनिबृंद।
बसहिं तहाँ सुकृती सकल सेवहिं सिव सुखकंद॥

सिद्ध, तपस्वी, योगीगण, देवता, किन्नर और मुनियों के समूह उस पर्वत पर रहते हैं। वे सब बड़े पुण्यात्मा हैं और आनंदकन्द श्री महादेवजी की सेवा करते हैं॥

(क्रमशः..)

परंपरागत एवं आधुनिक चिकित्सा में समन्वय की जरूरत

एक और नये चीनी वायरस ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के संक्रमण के उपचार को लेकर दुनिया भारत की प्राचीन प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धति की ओर आशाभरी निगाहों से देख रही है, क्योंकि मानव इतिहास की सबसे बड़ी एवं भयावह महामारी कोरोना के निदान में भी उसकी भूमिका प्रभावी एवं कारगर रही है। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा पद्धति ने शोध-अनुसंधान व बड़े पूंजी निवेश के चलते अप्रत्याशित स्वास्थ्य उन्नति एवं चिकित्सा क्रांति की है। बावजूद इसके आधुनिक समय में भी प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां असाध्य बीमारियों के लिये कारगर बनी हुई है। भारत ही नहीं, विदेशों में भी भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की स्वीकार्यता बढ़ी है। आयुष मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2014 में जो आयुष बाजार 2.8 अरब डॉलर था, उसका आकार बीते साल तक 43.4 अरब डॉलर हो गया है। इतना ही नहीं प्राकृतिक चिकित्सा उत्पादों का निर्यात भी दुगना हुआ है। जिससे इस पद्धति की अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का पता चलता है। यानी इन्हें एक पूरक चिकित्सा के रूप में मान्यता मिल रही है। इन स्थितियों को देखते हुए यदि आधुनिक विज्ञान व परंपरागत चिकित्सा पद्धति में समन्वय बने तो मानवता कल्याण का नया रास्ता उद्घाटित होगा।

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक महत्त्वपूर्ण शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली है। यह जीवन कला तथा विज्ञान में एक सम्पूर्ण क्रांति है। इसमें प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हलकी पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। योग, ध्यान एवं संतुलित जीवनशैली इस चिकित्सा के आधार है। प्राकृतिक चिकित्सा निर्धन व्यक्तियों एवं गरीब देशों के लिये विशेष रूप से वरदान है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से भारत का जो प्राचीन सेहत का ज्ञान सदियों से हाशिये पर रहा है, उसे पिछले एक दशक में देश-विदेश में व्यापक रूप से प्रतिष्ठापित किया गया है और भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद, योग को दुनिया में फैलाया गया है। भारत में भीषण गरीबी के चलते प्रकृति के सान्निध्य में सेहत के गुर को महसूस करते हुए महात्मा गांधी ने प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को देश में प्रतिष्ठा दी थी। आज भी उनके अनुयायी पूरे देश में इस मुहिम में जुड़े हुए हैं। जरूरी है कि सदियों के अनुभव से हासिल गुणवत्ता व प्रमाणिकता के परंपरागत ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के मध्य तालमेल की कोशिश की जाए।

पारम्परिक एवं पूरक चिकित्सा पर विश्व स्वास्थ्य संगठन- डब्ल्यूएचओ की वैश्विक रिपोर्ट (2019) के अनुसार, दुनिया भर में इस्तेमाल की जा रही पारम्परिक चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों में, एक्यूपंक्चर, हर्बल दवाएँ, स्वदेशी पारम्परिक चिकित्सा, होम्योपैथी, पारम्परिक चीनी चिकित्सा, प्राकृतिक चिकित्सा, कायरोप्रैक्टिक, ऑस्टियोपैथी, आयुर्वेद व यूनानी उपचार शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के 170 सदस्य देशों ने अपनी आबादी द्वारा पारम्परिक चिकित्सा के उपयोग पर रिपोर्ट दी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी, पारम्परिक उपचार प्रणालियों के अध्ययन और अभ्यास में क्रान्ति ला रही है। आयुष शब्द आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी का संक्षिप्त रूप है। इसी आधार पर प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक समय में प्रासंगिक बनाने के लिये भारत सरकार में आयुष मंत्रालय बना है। इसी मंत्रालय के प्रयासों से जहां आयुष बाजार को विस्तार मिला, वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उपचार में मदद मिली है। इससे रोजगार व उद्यमिता को भी नई ऊंचाइयां मिली हैं। एक ओर जहां आयुर्वेदिक दवाओं के उत्पादन से रोजगार बढ़े हैं, वहीं इसमें प्रयोग की जाने वाली जड़ी-बूटियों, फल और इससे जुड़े जैविक उत्पादों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिला है। कमोबेश इसी तरह योग से जुड़ी सामग्री का निर्यात भी तेजी से बढ़ा है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग, आयुर्वेद, भारतीय खानपान एवं जीवनशैली को वैश्विक मान्यता मिली है।

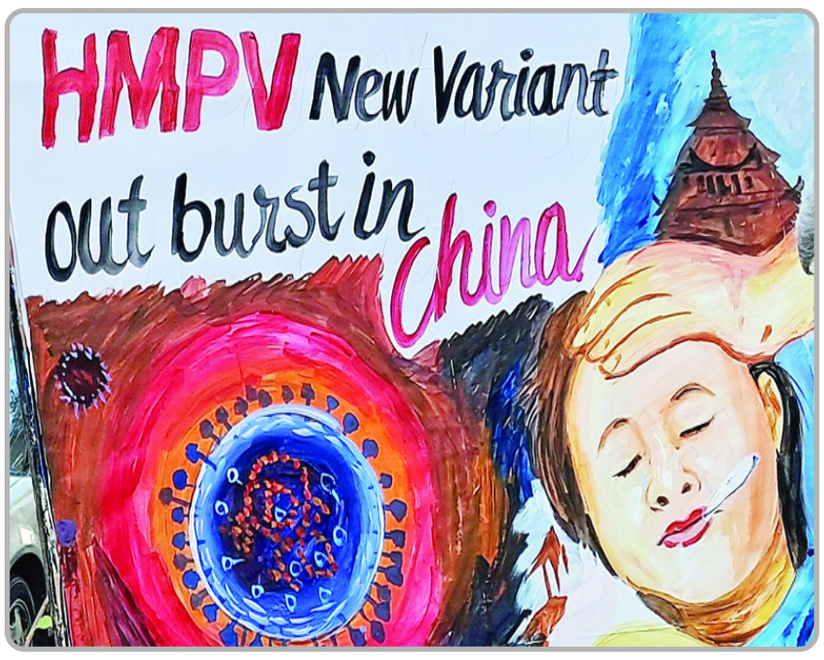

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों के उचित इस्तेमाल द्वारा रोग का मूल कारण समाप्त करना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत सरकार की सहभागिता में गत वर्ष भारत के गुजरात प्रदेश के गांधीनगर शहर में प्रथम पारम्परिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर गम्भीर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने और वैश्विक स्वास्थ्य एवं टिकाऊ विकास में प्रगति को आगे बढ़ाने में, पारम्परिक, पूरक व एकीकृत चिकित्सा की उपयोगिता को स्वीकार करते हुए इसे व्यापक बनाने की अनेक योजनाओं पर सहमति जताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार ने आधुनिक विज्ञान एवं टैक्नॉलॉजी के ज़रिये, पारम्परिक औषधि में निहित सम्भावनाओं को साकार करने के इरादे से एक वैश्विक केंद्र स्थापित किये जाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किये और गुजरात राज्य के जामनगर शहर में बनाए जाने वाले इस केंद्र की मदद से आमजन की सेहत में बेहतरी लाने और विश्व के हर क्षेत्र में सम्पर्क व लाभ सुनिश्चित किये जाने की योजना को आकार दिया जाने लगा है।

नये विश्व की विडम्बना है कि तीव्र विकास की छाया में गरीबी का भी विस्तार हुआ है। महंगी होती आधुनिक चिकित्सा पद्धति गरीब की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकारी चिकित्सा तंत्र मरीजों के भारी बोझ से चरमरा रहा है। ऐसे में यदि जीवन शैली में सुधार, सजगता व शारीरिक सक्रियता से लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिले तो किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसे पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में स्वीकार किया ही जाना चाहिए। यह सुखद है कि हम देर से ही सही, इस दिशा में आगे बढ़े हैं। हमारे आयुर्वेद के उत्पादों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता मिलना भी एक बड़ी उपलब्धि है। इस दिशा में आधुनिक चिकित्सा के साथ समन्वय स्थापित कर आगे बढ़ने के लिये साझे प्रयास जरूरी हैं। पारम्परिक चिकित्सा उत्पादों और पद्धतियों के शोध का यह उपयुक्त समय है। दुनियाभर में लोग वैकल्पिक निदानों का रुख़ कर रहे हैं। इससे अधिक शोध व अधिक साक्ष्य सामने आ रहे हैं और शोध के परिणाम बेहद आशाजनक दिख रहे हैं। प्राचीन संस्कृतियों द्वारा चिकित्सा हेतु प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के अलावा, आधुनिक रोगों से निपटने के लिए पारम्परिक समुदाय-आधारित स्वास्थ्य प्रथाओं का भी अभूतपूर्व महत्व है। चेचक के टीके का विकास इसका एक सशक्त उदाहरण है।

भारत की प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं रूझान को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि हम आयुष उत्पादों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उनको हम विज्ञान की कसौटी पर भी कसे। भारत की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति वैश्विक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य समाधान करने में सक्षम एवं कारगर बन रही है तो हमें इस पर व्यापक शोध, अनुसंधान एवं प्रयोग को बल देना चाहिए। दरअसल, भारतीय परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों मसलन आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्ध आदि पद्धतियों की धारणा रही है कि किसी रोग को दबाने के बजाय उसके कारकों का उपचार किया जाए। पारम्परिक चिकित्सा को पूर्व-वैज्ञानिक युग की पद्धति के रूप में देखा जाता है, जिसका स्थान आधुनिक, बेहतर, विज्ञान-आधारित चिकित्सा ने लिया। हालाँकि, आधुनिक विज्ञान और चिकित्सा का प्रादुर्भाव, पारम्परिक उत्पादों व प्रथाओं से ही हुआ है, जिसका एक लम्बा इतिहास है। आज लगभग 40 प्रतिशत फ़ार्मास्युटिकल उत्पाद, प्रकृति और पारम्परिक ज्ञान से आते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण दवाएँ शामिल हैं।

प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां का आधार हमारे विचार, खानपान और प्रकृतिमय जीवन है, जो बीमारियों को पनपने नहीं देता, यदि फिर भी कोई बीमारी आ जाती है उसका सस्ता, सरल, प्रभावी एवं सुगम इलाज पारम्परिक चिकित्सा पद्धति में है। जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है। प्राकृतिक व परंपरागत चिकित्सा पद्धतियां को विस्तारित एवं सशक्त करते हुए हमें आधुनिक चिकित्सा पद्धति की अनदेखी नहीं करनी है बल्कि समन्वय करके इंसानों को स्वस्थ बनाने की दिशा में क्रांति का शंखनाद करना है। निश्चित रूप से यदि विज्ञान व परंपरा के समन्वय का मणिकांचन संयोग होगा तो बढ़ती बीमारियों एवं महामारियों की चिन्ता को दूर करने के लक्ष्य हासिल करना ज्यादा आसान होगा।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

बिगड़े गणित का मिजाज

वह हमें समझा रहे थे कि इन दिनों पड़ रही भयंकर सर्दी पिछले वर्षों की सर्दी से अलग नहीं है। क्या हुआ जो तापमान कुछ ज्यादा नीचे चला गया? कुछ अधिक लोग सर्दी से ठिठुर कर फुटपाथों से लेकर अपनी टूटी हुई झुग्गी-झोंपडियों में मर गए? अब सर्दी पड़ेगी तो बिना छतों के मकानों में लोग कांप कर मरेंगे ही। बिल्कुल उसी तरह सडकों पर इस सर्दी का उपहार धुंध और कोहरा बढ़ेगा, तो परिवहन निलंबित होगा ही, गाडियां एक-दूसरे से टकराएंगी ही। आहत लोगों की चीखो-पुकार सुनने की तो इस देश के लोगों को आदत हो गई है। आप क्यों नहीं उन डाक्टरों के बारे में सोचते कि जिनके अस्पतालों में आजकल तिल धरने की जगह नहीं। वे खुश हैं। लोग हांफ कर कहते हैं, 'भई सूखी सर्दी पड़ रही है। तबीयत बिगड़ती है तो बिगड़ती ही चली जाती है। पुरानी दवाएं कारगर नहीं होती। लेकिन इसी से अनुसंधानकर्ताओं को नई दवाओं की खोज करने की प्रेरणा बन रही है। भारत चिकित्सा विज्ञान में कुछ कदम आगे बढ़ रहा है। जो दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते, उन्हें कपालभाति करने के संदेश मिलने लगे हैं। 'योग अपनाओ, पुनर्जीवन पाओ', पड़ोसी बूढ़ों ने हमें बताया है। इसी मौसम में बच्चन की मधुशाला से मधुबाला तक की याद आती है। उमर खय्याम की रुबाइयां हमें लुभाने लगती हैं। सुना है, अगले वर्ष के बजट में मदिरा सस्ती और बिजली महंगी होने वाली है। हम घुप्प अंधेरे में मदिरालय को अपना द्वार खटखटाता देखने की आजकल कल्पना करते हैं।

हमारे नशा माफिया डॉन जीते रहें। इन्हें आजकल सर्दी से संत्रस्त माहौल में नशों के समुद्र की बड़ी मछलियां कहकर पुकारा जाता है। इन पर कोई हाथ नहीं डाल सकता। नशा तस्करों की भी बन आई है। सरकारी कारिंदे इन्हें आतंकवाद का एक नया रूप बताते हैं, लेकिन इनसे पूछो तो वे कहेंगे, 'अरे हम तो मौसम के अनुसार बदलते हैं। सर्दी में आपकी ठिठुरन घटाते हैं, और गर्मियों में नौकरी न मिलने या कोई भी सपना पूरा न होने का अवसाद घटाते हैं। हम आतंकी कहां, आपकी ही तो मेहर है कि ढीली-ढाली एक्साइज पॉलिसी और भ्रष्ट प्रशासन हमें अपना काम करते रहने की सुविधा देता रहता है।' अब आपने इस अवैध और राष्ट्रद्रोही कारोबार में लिप्त नशा तस्करों को कानून के शिकंजे में लेने के नाम पर नालियों में गिरे पड़े नशेड़ी पकड़ लिए, लेकिन माफिया सरगना तो राजनीति की शरण में चले गए। आपको पता ही है कि आरोपित तब तक अपराधी नहीं जब तक उसे दंड न मिल जाए। दंड तो फिलहाल तारीख पर तारीख के मकडज़ाल में फंसा है, इसलिए आरोपितों को राजनीति के मसीहा और आम जनता के लिए सपनों का मायाजाल रचने की कोई मनाही नहीं। आइए, इनकी जय-जय कहें। हमारे सपने कभी टूटते नहीं। एक खंडित सपने की नींव पर दूसरा सपना खड़ा कर दिया जाता। 'अच्छे दिन आएंगे' की बात कभी सुनते थे, वे नहीं आए, तो अब पांच वर्ष में देश की सकल घरेलू आय को दुगना, और देश की तरक्की की दौड़ में सबसे आगे हो जाने या चीन और अमरीका को पछाड़ देने का सपना देख रहे हैं। इसी तरह जब आलोचना बढ़ी कि आपने नशा माफिया का गढ़ तोडने की जगह नशेड़ी अंदर कर दिए, तो उनके लिए नशामुक्ति केन्द्र खोलने का अभियान चल निकला। भई नशेड़ी तो नशेड़ी हैं। इन केन्द्रों में गए तो नशा छुड़ाने वाली गोलियों को ही मुक्ति प्रसंग मानकर उनके लिए मारपीट करने या उनका कालाबाजार करने लगे। अब सुना है, यहां नशा छुड़ाने वाली गोलियों का बाजार भी मंदा और सस्ता हो गया है, इसलिए आइए, इस घुप्प अंधेरे में भटकते हुए आम आदमी के लिए सपनों का कोई नया बाजार सजाएं।

-सुरेश सेठ

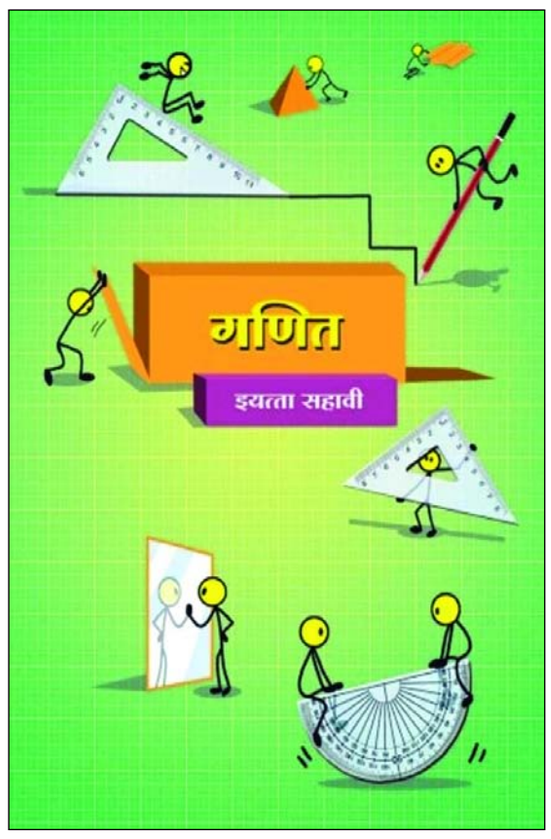

राशिफल

माघ कृष्ण पक्ष चतुर्थी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
दोपहर के बाद बहुत अच्छी स्थिति हो जाएगी। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। स्वास्थ्य फिर भी ठीक है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु नतमस्तक होंगे। कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
गृह कलह के संकेत हैं। भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
पराक्रमी बने रहेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य, प्रेम, संतान, व्यापार सब कुछ बहुत अच्छा दिख रहा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। कुछ अच्छे समाचार की प्राप्ति हो सकती है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु परास्त होंगे। कार्य विघ्न बाधा के साथ संपन्न हो जाएगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
बच के पार करें। चपेट लग सकता है। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भावुकता पर काबू रखें। लिखने पढ़ने में समय व्यतीत करें। स्वास्थ्य नरम गरम, प्रेम-संतान की स्थिति मध्यम।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम संतान मध्यम है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी बहुत शुभ समय नहीं है। निवेश करने से अभी रुके।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
व्यापारिक सफलता मिलेगी। कुछ अधिकारियों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य, और प्रेम, संतान पर ध्यान दें।

लखनावली में बेरोकटोक चल रहा है हवाला कारोबार का गोरखधंधा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। लखनावली गांव में कई वर्षों से चल रहे हवाला कारोबार का गोरखधंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है। बताया जाता है कि सूरजपुर पुलिस ने लखनावली गांव में दो माह पूर्व छापा मारकर 22 लाख रुपए भी बरामद किये थे।

पुलिस ने बरामद किए गए पैसे की जानकारी आयकर विभाग को भी दी थी जिसमें आयकर विभाग में जांच बैठाई लेकिन इस मामले में ऊंची पहुंच के कारण गोरखधंधा करने वाले लोगों ने लीपापोती करवा दी और मामला ठंडा बस्ते में चला गया। गांव के बाहर बने एक फॉर्म में फार्म हाउस में यह गोरखधंधा किया जाता है। यहां कमेटी के नाम पर लोगों से मोटी रकम जमा कराई जाती है।

सूत्रों से मिली जानकारी इस हवाला कारोबार को कुछ सफेदपोश लोगों का भी संरक्षण प्राप्त है। इससे जहां इस हवाला कारोबार में शामिल कई लोग अपना घर बार तबाह कर सड़क पर आ चुके हैं। यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ा मामला हो सकता है। आखिर पुलिस ने 22 लाख रुपए बरामद किया तो उसके बाद कार्रवाई क्यों नहीं हुई इस पर भी लोग पुलिस पर प्रश्न चिन्ह उठा रहे हैं। वहीं रुपए बरामदगी के दौरान पुलिस ने दो लोगों को विरासत में भी लिया था लेकिन उन्हें भी थाने से ही छोड़ दिया गया।

अब देखना है कि आखिर लखनावली में चल रहे इस गोरखधंधे में रोक लगती है या नहीं। यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन जिस तरह से कमेटी एवं हवाला का धंधा तेजी से फलफूल रहा है वह चिंता का विषय है। जहां एक तरफ प्रदेश सरकार एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अवैध कार्यों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही कर रहे हैं। वहीं यह लोग हवाला के जरिए हर महीने करोड़ों का हेरफेर कर रहे हैं। कुछ लोगों को कहना है कि इस मामले की शिकायत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी की जाएगी।

15 लाख की निधि मिलने पर भी मंडपा गांव की लाइब्रेरी में कोई कार्य नहीं

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकासखंड जेवर के मंडपा गांव में लाइब्रेरी बनाने के लिए मार्च 2024 में 15 लाख रुपया सरकार द्वारा आवंटन हुआ। ग्राम प्रधान व ग्राम विकास अधिकारी द्वारा पंचायत भवन में बने कमरे में लाइब्रेरी के नाम पर सरकार से 15 लाख रुपया आवंटन कराया गया। पंचायत भवन में बनी लाइब्रेरी में जिसमें आज तक ना तो गेट लगे ना फर्नीचर ना बुक ना कंप्यूटर खंडर पड़ी है बिल्डिंग ग्राम प्रधान उस्मान व ग्राम विकास अधिकारी नूतन कुमार द्वारा कोई व्यवस्था नहीं की गई 1 साल बीतने के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों ने मिलकर पैसे का गभन व दुरुपयोग किया है जिसकी शिकायत समाजसेवी द्वारा की जा रही है जिसकी फोटो और वीडियो साथ सलंग्न कर रहा हूं।

कांग्रेस निकालेगी किसान यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी किसानों की समस्याओं को समझने और उनके निस्तारण के लिए पूरे प्रदेश में किसान यात्रा निकालेगी। आल इंडिया कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय पर इस संदर्भ में मीटिंग हुई।

मीटिंग की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने की और संचालन किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला ने किया।

मीटिंग में किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खेहरा और अमेठी से संसद के एल शर्मा रहे। अजय राय ने इसी कड़ी में किसान न्याय योद्धा की नियुक्ति की और उत्तर प्रदेश से पहला किसान न्याय योद्धा अब्बास हैदर को बना गया है। अब्बास हैदर आल इंडिया किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव है।

कामायनी फाउंडेशन ने जिला कारागार में कैदियों को वितरित किये कंबल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ज़िला कारागार में कामायनी फाउंडेशन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीन कुमार सैन ने जेल अधीक्षक बिर्जेश सिंह और जेलर राजीव सिंह, डिप्टी जेलर शिशिर कुशवाहा के साथ कैदीयो को कंबल वितरित किए।सर्दी के इस मौसम में गर्म कंबल का वितरण करना सच्ची मानव सेवा है और ऐसे कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। कंबल वितरण से केदियो को ठंड से राहत मिलेगी।

जेल अधीक्षक बिर्जेश सिंह और कैदियों ने कामायनी फाउंडेशन को धन्यवाद प्रेषित किया। जिसमें काम्यानी फाउंडेशन के अन्य सदस्य एडवोकेट कविता नागर, बिर्जेश ठाकुर, शिवम मावी आदि लोग मौजूद रहे।

नशा के रोकथाम को लेकर जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शराब और नशीली दवाओं के दुरुपयोग के रोकथाम और नियंत्रण को लेकर कल एक दिवसीय जागरुकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ समाज सेविका रचना वशिष्ठ एवं जिला प्रशिक्षण अधिकारी प्रियंका शर्मा, विजय पाल सिसोदिया एवम शेखर सिसोदिया ने किया।

इस मौके पर रचना वशिष्ठ ने बताया कि जिला ग्राम विकास संस्थान दादरी, गौतमबुद्धनगर, में 16 जनवरी को हुए इस कार्यक्रम में अनेक ग्रामीण महिलाओं को नशे के रोकथाम और उपचार के प्रति जागरूकता का प्रशिक्षण दिया गया जो कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित करवाया गया था।

थम नहीं रहा ओयो होटल में जिस्मफरोशी का धंधा, भाजपा नेताओं ने शासन से शिकायत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में ओयो होटल के नाम की आड़ लेकर कई होटलों में जमकर जिस्मफरोशी का गोरखधंधा चल रहा है। इसके बाद भी पुलिस ऐसे होटल संचालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इनमें से कई ऐसे होटल हैं जिनका रजिस्ट्रेशन भी सराय एक्ट के तहत नहीं हुआ है।

बता दें कि दिल्ली-एनसीआर में ओयो होटल की आड़ में कुकुरमुत्तों से खुले छोटे-छोटे होटलों में अय्याशी व जिस्मफरोशी की जानकारी मिलने पर ओयो होटल प्रबंधन ने निर्देश जारी किए कि ओयो होटल के नाम से चलने वाले सभी होटलों में गैर विवाहित जोड़ों को कमरे न दिये जाएं। विवाहित जोड़ों को भी सभी सबूत देखकर ही उन्हें कमरे दिये जाएं। लेकिन अभी भी नोएडा में ओयो होटल चलाने वाले संचालक इस निर्देश की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के नोएडा कैम्प प्रभारी जयप्रकाश प्रजापति ने इसकी शिकायत पुलिस के शीर्ष अफसरों के अलावा प्रदेश के मुख्य सचिव से भी की है। उन्होंने कहा कि पुलिस ऐसे होटल संचालकों पर कड़ी कार्रवाई नहीं कर रही है। जबकि नोएडा में 50 से अधिक होटल अवैध रूप से चल रहे हैं।

अपने-अपने सपने

अपने-अपने सपने
झोपड़े से,
जिसे वह घर कहती थी,
निकल कर
एक नन्ही सी बिटिआ,
स्कूल जाने लगी। प्यार से
उसे दूसरे बच्चे छोटी
कहने लगे।
दोपहर की छुट्टी में जब
सारे बच्चे एक साथ,
खाना खाने बैठते, वह
चुपचाप किनारे बैठी,
उन्हें एक टक निहारती।
एक दिन एक बच्चा,
खाने की मेज से उठा
छोटी को बुला कर ले
आया,
अपने साथ खाना खिलाया
सारे बच्चे उस दिन से,
छोटी के साथ मिल- बैठ कर खाना खाने
लगे,
उसे हंसाने - बुलाने लगे,
छोटी भी और बच्चों की तरह,
फुदकने -चहकने लगी,
उनके साथ किस्से, कहानियां, गाने सुनाने
लगी।
धीरे-धीरे वह अपनी भोली भाली बातों से
उन बच्चों को रिझाने लगी।
उसकी मां ,बड़ी बहन ,बड़े घरों में चौका
-बर्तन करती थीं,
उसके बाप का कई वर्षों से कोई पता नहीं
था कहां चला गया,
उन्हें छोड़कर ।
वह बच्चों से जो बातें करती उन बातों में
होती ज्यादातर रात में देखे गए,

डॉ. कृष्णावतार त्रिपाठी (राही)
ज्ञानपुर (भदोही)

सपनों की बातें। कभीं कहती- -
कल मैंने एक सपना देखा,
पेड़ पर रोटियां लगी थीं
कभीं कहती- बिल्ली
आकर मेरी रोटी छीन ले
गई,
कभीं कहती-एक उड़न
परी आई थी वह मुझे
एक छड़ी दे गई ,
उसे मैंने जैसे ही घुमाया
अपने सामने ढेर सारी
रोटियों का ढेर पाया।
हम सब रोटियां खाने
लगे ,खेलने लगे।
कभीं कहती मैंने देखा-
एक रेलगाड़ी में चक्के की
जगह रोटियां लगी थीं।
ऐसे ही एक दिन वह अपने सपने सुना रही
थी कि-- कल मैंने सपने में देखा,
एक रोटी ऐसी कि--
उसे बीच में ही टोंकते हुए एक बच्चे ने
कहा-
छोटी जरा थम,
क्या तुझे हर दिन केवल रोटी के ही सपने
आते हैं ?
क्या दूसरे सपने नहीं आते ?
उसने आश्चर्य भरे भोलेपन से कहा- क्या
दूसरे भी सपने होते हैं भइआ ?
नोट -(यह रचना कम से कम 15 वर्ष पूर्व लिखी गई और देश की दर्जनों पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी है। इसे उस समय मैंने मंचों से भी खूब पढ़ा। आज अचानक एक पुरानी पत्रिका में दिख गई। मन हुआ आप भी पढ़ें और अपने विचारों से अवगत करायें)

'आप' के अयोध्या प्रभारी व जिलाध्यक्ष ने दिल्ली में प्रत्याशी का कराया नामांकन

दिल्ली (चेतना मंच)।। अयोध्या जनपद के जिला प्रभारी व प्रदेश प्रवक्ता संजीव निगम और अयोध्या के जिलाध्यक्ष एडवोकेट अनिल प्रजापति अपने जिले के कई साथियों के साथ दिल्ली के रोहताश नगर विधानसभा से प्रत्याशी पूर्व विधायक सरिता सिंह के नामांकन में बृहस्पतिवार को शामिल हुए।

प्रदेश प्रवक्ता संजीव निगम ने कहा कि दिल्ली में सभी जगह आम आदमी पार्टी प्रत्याशियों को लोगो का भारी जन समर्थन मिल रहा है दिल्ली सरकार की पहले से चलने वाली तमाम नीतियां एवं नई घोषित नीतियों को लोग काफी पसंद कर रहे है अयोध्या से रघुनाथ प्रताप व राधिका पांडे भी शामिल रहे।

मोबाइल टावर से आरआरयू चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना क्षेत्र के कासना गांव से चोरों ने मोबाइल टावर से एक आरआरयू चोरी कर लिया। कंपनी के टेक्नीशियन की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मेसर्स डेलटॉप इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड के टेक्नीशियन विजय कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी कंपनी मोबाइल टावरों की देखरेख का काम करती है। 16 जनवरी की सुबह किसी अज्ञात चोर ने कासना में स्थापित नेटवर्क बूस्टर से एक आर आर यू डिवाइस चोरी कर ली। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

चोरी की बाइक पर सवार बदमाश दबोचे

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-49 पुलिस ने चोरी की बाइक पर घूम रहे एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ है। इसी थाना क्षेत्र की पुलिस ने एक गांजा विक्रेता को भी गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी अनुज सैनी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। सेक्टर-76 के पास मुखबिर ने सूचना दी की एक बदमाश चोरी की पल्सर मोटरसाइकिल को लेकर सेक्टर-50 की सर्विस रोड पर खड़ा हुआ है। पुलिस टीम ने मुखबिर के इशारे पर बाइक सवार को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम सोहन उर्फ फरदीन पुत्र तस्लीम निवासी कैलाभट्टा गाजियाबाद बताया। पकड़े गए सोहेल ने बताया कि उसके पास से बरामद बाइक चोरी की है और उसने इसे सेक्टर-50 से चोरी किया था। वह चोरी की बाइक पर सवार होकर आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बरौला गांव के पास बुध बाजार वाली रोड पर सुलभ कांप्लेक्स के पीछे गांजा बेच रहे सलमान निवासी कैला भट्टा को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली से गांजा खरीद कर लाता है और यहां नशे के आदी लोगों को उसकी बिक्री करता है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है।

कंपनी से लॉक प्लेट पर हाथ साफ

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर-61 में स्थित एक कंपनी से लॉक प्लेट चोरी हो गई। कंपनी मालिक ने दो कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से निवाड़ी रोड मोदीनगर गाजियाबाद निवासी चंचल कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी सेक्टर-61 में टेक ऑटो इंडस्टरीज प्राइवेट लिमिटेड नाम से कंपनी है। कंपनी में लॉक बनाए जाने का काम होता है। 16 जनवरी को कंपनी में रखे माल की गिनती की गई तो माल के हिसाब से लॉक प्लेट कम कर पाई गई। जानकारी करने पर पता चला कि कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी आकाश व इंदरपाल के द्वारा लॉक चोरी की गई है। चंचल कुमार के मुताबिक दोनों कर्मचारियों को 16 दिसंबर से कंपनी में काम पर रखा गया था। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

पति व सास की पिटाई से बहू घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दादरी में एक व्यक्ति ने अपनी बहन के साथ मारपीट करने के आरोप में उसके पति और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि पति व सास की पिटाई के कारण उसकी बहन को गंभीर चोट आई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

डासना गाजियाबाद निवासी नईमुद्दीन ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसकी बहन शबनम के साथ उसका पति राजुद्दीन व उसकी सास असगरी आए दिन गाली गलौज व मारपीट करते थे। कुछ दिन पूर्व उसकी बहन के साथ उसके बहनोई व उसकी मां ने मारपीट कर उसकी बहन को घायल कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि उसकी बहन की इस कदर पिटाई की गई कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। दोनों आरोपियों ने रिपोर्ट दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित का कहना है कि पति व सास के उत्पीड़न से उसकी बहन का जीना दूभर हो गया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बाइक व मार्केट के बाहर से बाइक चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में अलग-अलग स्थानों से वाहन चोर दो बाईकों को चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना फेस वन क्षेत्र के सेक्टर 4 स्थित एचडीएफसी बैंक के बाहर से विजय की बाइक चोरी हो गई। दर्ज रिपोर्ट में विजय ने बताया कि वह मूल रूप से ग्राम टीला शाहबाजपुर गाजियाबाद का निवासी है। 15 जनवरी की सुबह उसने अपनी बाइक बैंक के बाहर खड़ी की थी। दोपहर लंच के समय जब वह बाहर आया तो उसकी बाइक गायब थी। थाना बीटा दो में आशुतोष ने अपनी होंडा शाइन बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आशुतोष ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसने 10 जनवरी की रात्रि को बीटा सेक्टर की मार्केट के बाहर अपनी बाइक खड़ी की और सामान लेने भीतर चला गया।

कार्यालय-अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, मेरठ परिमण्डल मेरठ, अपर आयुक्त उद्योग परिसर, सूरज कुन्ड रोड, मेरठ।

पत्रांक- 1667/ग्रा0अ0वि0/निविदा-पत्रा0/2024-25, दिनांक:-31.12.2024

-: ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना :-

1-महामहिम श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग मेरठ परिमण्डल मेरठ के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, उत्तर प्रदेश में 'ए' श्रेणी (भवन एवं मार्ग) में कार्य की लागत सीमा के अनुरूप (कालम संख्या-8 के अनुसार) पंजीकृत निविदाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिषत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र में अंकित एस0बी0डी0 के अन्तर्गत न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तो का भलीभाँति अध्ययन कर लें।

2-कार्य से संबंधित विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं.	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) जी.एस.टी. रहित	धरोहर धनराशि (ई0एम0 डी0) (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेन्नरी जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	गौतमबुद्धनगर	पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के थाना बीटा-2 के (टाईप-बी के 22 नग) आवासीय भवनों का निर्माण कार्य।	675.80	13.52	2714-00	18 माह	श्रेणी 'ए' (भवन एवं मार्ग)

3- वैब साईट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि एवं समय:-24.01.2025 प्रात: 10:00 बजें से।
4- बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोडींग प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय:-24.01.2025 प्रात: 10:00 बजें से।
5- प्री बिड मीटिंग की तिथि एवं समय:-दिनांक 25.01.2025 दोपहर 11:00 बजें। बैठक हेतु स्थल-कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, मेरठ परिमण्डल, मेरठ।
6- ई-निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि एवं समय:-24.01.2025 प्रात: 10:00 बजे से।
7- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति की अन्तिम तिथि एवं समय:-30.01.2025 अपरान्ह 04:00 बजे तक।
8- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलन की तिथि एवं समय:-31.01.2025 दोपहर 12:30 बजें।
9- टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई शपथ पत्र मान्य नही होगा।
10- निविदा आनलाईन वैबसाईट http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी एवं इसी साईट पर डाली जाएगी।
11- निविदा आमंत्रण कर्ता को आईटीबी के क्लॉज-10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नही किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिये कृपया वैबसाईट पर लॉगिइन करे तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

(विनोद कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
मेरठ परिमण्डल मेरठ।

www.upidadv.up.gov.in
Upid-226393 Dt. 16/01/2025

परंपरा और आधुनिकता का संगम

महाकुम्भ 2025 का यह मीडिया सेण्टर केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय परम्परा और आधुनिक तकनीक का प्रतीक बन चुका है। श्रद्धालुओं की भावनाएं और मीडिया कर्मियों की जरूरतें, दोनों का इस केन्द्र में अद्भुत सामंजस्य है। मीडिया सेण्टर के गेट पर बहुत आकर्शक सेल्फी प्वॉइण्ट बनाया गया है, जिसके साथ महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुजन सेल्फी लेकर प्रसन्न हो रहे हैं और सोषल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने जानने वालों के साथ षेयर कर रहे हैं। तो, अगर देष और दुनिया के हमारे मीडिया साथी महाकुम्भ-2025 में आए हैं, तो इस मीडिया सेण्टर का हिस्सा जरूर बनें और उनके लिए स्थापित सुविधाओं को लाभ उठाएं।

महाकुम्भ 2025 की भव्यता से दुनिया को दिखा रहा है मीडिया

प्रयागराज (ब्यूरो)। महाकुम्भ प्रयागराज 2025 की भव्य शुरुआत हो चुकी है। महाकुम्भ 2025 ने अपने पहले ही दिन एक अद्वितीय आस्था और दिव्यता का उदाहरण पेश किया। 12 जनवरी, 2025 को प्रथम स्नान पौष पूर्णिमा के अवसर पर 01 करोड़ 65 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम और अन्य स्नान घाटों पर स्नान कर महाकुम्भ की महिमा से दुनिया को चकित और अचम्भित कर दिया है। 13 जनवरी, 2025 को पहले अमृत स्नान पर्व मकर संक्रान्ति पर भी 03 करोड़ 50 लाख से अधिक स्नानार्थियों ने सुगमतापूर्वक स्नान किया। महाकुम्भ की भव्यता और दिव्यता से देश और दुनिया के लोगों को परिचित कराने के लिए सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा महाकुम्भनगर, परेड ग्राउण्ड स्थित सेक्टर 02 में काली सड़क पर भव्य और विशाल मीडिया सेण्टर की स्थापना की गयी है। इस वैश्विक भव्यता को दुनिया तक पहुंचाने में मीडिया सेंटर महाकुंभ 2025 एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मेला क्षेत्र के मुख्य प्रवेश द्वार के नजदीक ही स्थित यह मीडिया सेण्टर महाकुम्भनगर की महिमा से सम्पूर्ण विश्व को अवगत करा रहा है। एक ओर आस्था से ओत-प्रोत श्रद्धालुओं की भीड़, आध्यात्मिक रस से सराबोर मां गंगा, मां यमुना और अदृष्य मां सरस्वती के किनारे की मनमोहक छटा और दूसरी ओर इस आध्यात्मिक संगम की अलौकिक छवि को प्रस्तुत करता डेडिकेटेड मीडिया सेण्टर। यहां हर कदम पर आधुनिकता और परम्परा का अनोखा संगम नजर आ रहा है। मीडिया सेण्टर में भारत की सांस्कृतिक धरोहर को डिजिटल युग के साथ जोड़ा गया है।

जैसे ही आप इस भव्य मीडिया सेण्टर के प्रवेश द्वार से अन्दर पहुंचते हैं, डिजिटल सेल्फी प्वॉइण्ट आपका स्वागत करता है। यह सिर्फ एक सेल्फी प्वॉइण्ट नहीं है, बल्कि हर किसी के लिए यादगार पल कैद करने का अनोखा जरिया बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई गणमान्य हस्तियों ने यहां अपनी तस्वीरें खिंचवाई हैं। अब तक 1200 से अधिक मीडिया से जुड़े लोग इस तकनीकी चमत्कार का हिस्सा बन चुके हैं। यह सिर्फ सेल्फी प्वॉइण्ट नहीं, हमारी परम्परा और तकनीक का मेल है।

आरामदायक वेटिंग एरिया और वीआईपी रूम

थोड़ी देर आराम करना हो, तो वेटिंग एरिया और वी0आई0पी0 रूम की भी व्यवस्था मीडिया सेण्टर में की गयी है। यहां मीडिया कर्मियों के लिए शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध है।

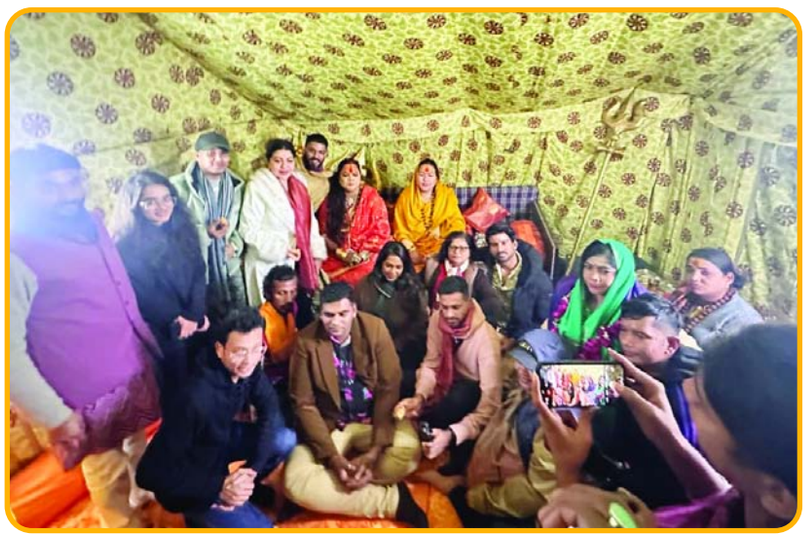

वर्क स्टेशन

मीडिया सेण्टर के अंदर कदम रखते ही, तकनीक का जादू महसूस होता है। यहां हर कोने में मीडिया बन्धुओं की हलचल है। वाई-फाई युक्त वर्क स्टेशन में स्थापित कम्प्यूटर पर पत्रकार अपनी खबरें तैयार कर रहे हैं। यहां खबरें बहुत शीघ्रता से प्रेषित करना आसान हो गया है। खबरें बनाने और उनकी एडिटिंग जैसे अन्य कार्य भी यहां किये जा रहे हैं। यहीं से सरकारी प्रेस नोट भी जारी हो रहे हैं। वर्क स्टेशन में प्रिन्टर आदि की व्यवस्था भी मीडिया के साथियों के लिए की गयी है।

पॉडकास्ट रूम, स्टूडियो, एडिटिंग रूम

मीडिया सेण्टर में पॉडकास्ट रूम और स्टूडियों में लाइव रिकॉर्डिंग की सुविधा दी गयी हैं। मीडिया के विभिन्न प्रतिषन यहां अपने-अपने आमंत्रित अतिथियों के साथ इण्टरव्यू कर सकते हैं। उन्हें क्यू आर कोड के माध्यम से टाइम स्लॉट लेने के लिए रजिस्ट्रेशन सुविधा दी गयी है। इन आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से महाकुम्भ की हर धड़कन को अपने दर्शकों तक पहुंचाना अब और आसान हो गया है। आप रियल टाइम में ही सूचनाएं, कवरेज आदि प्रेप्रेषि करनाा न हो गया है। अनेक चैनल अपने लिए सामग्री रिकॉर्ड कर भी रहे हैं। दूसरी ओर एडिटिंग रूम में पत्रकार अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे रहे हैं। पॉडकास्ट रूम और स्टूडियो में मीडिया बन्धु अपने-अपने कन्टेण्ट की रिकॉर्डिंग कर सकते हैं, वीडियो सूट कर सकते हैं और एडिटिंग रूम में उनकी मनचाही एडिटिंग कर सकते हैं।

कॉन्फ्रेंस हॉल, प्रेस ब्रीफिंग रूम

मीडिया सेण्टर में कॉन्फ्रेंस हॉल और प्रेस ब्रीफिंग रूम की भी व्यवस्था है। यहां आवशक मीटिंग भी की जा सकती हैं। प्रेस ब्रीफिंग रूम में मा0 मुख्यमंत्री जी, मा0 मंत्रिगण एवं वरिष अि कारियों की प्रेस वार्ता आयोजित किये जाने की व्यवस्था है। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा 09 जनवरी, 2025 को मीडिया सेण्टर का उद्घाटन करने के साथ ही, प्रेसवार्ता भी आयोजित की गयी थी।

डिजिटल स्क्रीन और लाइव अपडेट्स

पूरे परिसर में लगी डिजिटल स्क्रीन और एल0ई0डी0 टी0वी0 हर पल की खबरें दिखा रही हैं। महाकुम्भ से जुडी हर छोटी-बढी जानकारी स्क्रीन पर लाइव अपडेट हो रही है।

एडमिनिस्ट्रेटिव रूम व पार्किंग

एक व्यवस्थित एडमिनिस्ट्रेशन रूम बनाया गया है, जिससे किसी को असुविधा न हो। मीडिया कर्मियों के लिए पर्याप्त पार्किंग स्पेस है।

अंतर्राष्ट्रीय दल के सदस्यों ने लगाई संगम में डुबकी

10 देशों के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने महाकुम्भ क्षेत्र में विभिन्न अखाड़ों का भ्रमण किया

योगी सरकार के भव्य आयोजन और सुरक्षा व्यवस्था के कायल हुए विदेशी मेहमान

प्रयागराज (ब्यूरो)। महाकुम्भ में 10 देशों के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने संगम क्षेत्र में स्थित विभिन्न अखाड़ों का दौरा किया। इस यात्रा में उन्होंने न केवल महाकुम्भ के धार्मिक महत्व को समझा बल्कि भारतीय संस्कृति के अद्भुत पहलुओं को भी अनुभव किया। त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के बाद प्रतिनिधि दल ने समूचे महाकुम्भ क्षेत्र का दौरा किया। जिससे उन्हें इस विशाल धार्मिक आयोजन की व्यापकता साक्षात देखने को मिली। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने दुनिया के इस सबसे बड़े आयोजन के भव्य इंतजाम के लिए योगी सरकार की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। भारतीय संस्कृति को देखने और समझने के लिए सभी देशों के लोगों को यहां महाकुम्भनगर जरूर आना चाहिए।

संयुक्त अरब अमीरात की प्रतिनिधि बोली-एकता का प्रतीक है महाकुम्भ

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की प्रतिनिधि सैली एल अजाब ने कहा कि वो मध्य पूर्व से भारत आई हैं। यह एक अद्भुत क्षण है। यह दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। यहां सब कुछ पूरी तरह से व्यवस्थित है। उन्होंने महाकुम्भ की भव्यता की तारीफ करते हुए बताया कि यह आयोजन न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया को एकता का संदेश दे रहा है। उन्हें यहां करोड़ों श्रद्धालुओं और उनकी विधिवत सुरक्षा व्यवस्था को देखकर भारतीय संस्कृति की महानता का अहसास हुआ।

संतों के विचारों से प्रभावित हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भारतीय परंपराओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त की

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने महाकुम्भ के दौरान विभिन्न अखाड़ों का भ्रमण किया। यहां उन्होंने साधु-संतों से मुलाकात की और महाकुम्भ के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में जाना। साधु-संतों ने महाकुम्भ की प्राचीन परंपराओं, अखाड़ों की भूमिका और भारतीय संस्कृति की महिमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि संतों के विचारों से गहरे प्रभावित हुए और उन्होंने भारतीय धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

फिजी, गुयाना से लेकर दक्षिण अफ्रीका तक के प्रतिनिधि पहुंचे, भारतीय संस्कृति से हुए अभिभूत

महाकुम्भ में फिजी, फिनलैंड, गुयाना, मलेशिया, मॉरीशस, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, त्रिनिदाद और टोबैगो और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधि पहुंचे हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल ने महाकुम्भ का दौरा करके भारतीय संस्कृति की विविधता और धार्मिक एकता का अनुभव किया। सभी यहां की संस्कृति से अभिभूत नजर आए।उनके लिए यह यात्रा न केवल एक धार्मिक अनुभव है, बल्कि एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा लेने का भी एक शुभ अवसर है।

महाकुम्भ ने सिखाया कि दुनियाभर के लोग इकट्ठे हो सकते हैं, भले ही उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अलग-अलग हो

महाकुम्भ का आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ में भी एकता का प्रतीक है। महाकुम्भ के दौरान 10 देशों के 21 प्रतिनिधियों ने इस आयोजन की भव्यता और उसकी वैश्विक पहचान को नजदीक से महसूस किया। महाकुम्भ ने दुनिया को यह संदेश दिया कि दुनिया के विभिन्न कोनों से लोग एकत्रित हो सकते हैं, भले ही उनकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अलग-अलग क्यों न हो।

महाकुम्भ मेले में संविधान गैलरी का हुआ उद्घाटन

यूपी के संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने किया संविधान गैलरी का उद्घाटन

प्रयागराज (ब्यूरो)। महाकुम्भ 2025 प्रयागराज के अंतर्गत त्रिवेणी मार्ग पर सजाई गई संविधान गैलरी का गुरुवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने उद्घाटन किया। मंत्री के साथ उपस्थित अतिथियों ने इस अवसर पर संविधान गैलरी में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। संविधान गैलरी में भारतीय संविधान पर आधारित पुस्तकों और ग्रंथों का एक पुस्तकालय भी सजाया गया है। उद्घाटन समारोह के मौके पर भारतीय सेना के बैंड ने वंदे मातरम समेत कई देशभक्ति गीतों की धुन पर संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जे जे मुनीर उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने की।

उद्घाटन समारोह के अवसर पर अपने संबोधन में न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने कहा कि संविधान से सारे देश का संचालन होता है। कोई भी समाज संविधान और विधियों के बिना नहीं चलता है। संविधान गैलरी जैसे प्रयासों से नई पीढ़ी को इसके बारे में अवगत कराने में मदद मिलेगी। मुझे आशा है कि ऐसे प्रयत्न आगे भी चलते रहेंगे।

मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि विश्वविख्यात समागम में इस गैलरी को आयोजित कर यह प्रयास किया गया है कि मेले में आने वाले लोगों को संविधान के निर्माण, लागू होने और इसके अनुच्छेद के बारे में जानकारी हो। ऑडियो के माध्यम से आप विषय के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल कर सकते हैं। संविधान ऐसा दस्तावेज है, जिससे हमारी पूरी शासन व्यवस्था संचालित होती है। संविधान में संशोधन की प्रक्रिया दी गई है, जिससे समाज की आवश्यकता के अनुसार इसमें संशोधन किया जा सके। हमारी सरकार ने जन भावनाओं के अनुसार इसमें संशोधन किया। एक पार्टी ने लगातार 55 वर्षों तक निजी हितों के लिए संविधान में संशोधन किए। इन लोगों ने संविधान की मूल भावना को बदल दिया।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन के अध्यक्ष डॉ आशीष गौतम ने कहा कि आज कल संविधान की प्रतियां मंच पर खूब लहराई जाती है। उनके घर में संविधान की मूल प्रति भी नहीं होगी। उन्होंने संविधान पढ़ा भी नहीं होगा। इसकी पहली प्रति हाथ से लिखी गई थी। एक प्रति हिंदी में लिखी गई थी और एक प्रति अंग्रेजी में लिखी गई थी।

संविधान गैलरी में लगी प्रदर्शनी में चित्रों और प्रतिकृतियों के माध्यम से भारतीय संविधान के निर्माण से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं, दस्तावेजों और व्यक्तित्वों के योगदान के बारे में जानकारी प्रदर्शित की गई है। यहां ऑडियो के माध्यम से संविधान सभा की बहसों को प्रस्तुत किया जा रहा है।

भारतीय टीम का बैटिंग कोच बनने को मैं तैयार हूं : केविन पीटरसन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पहले न्यूजीलैंड और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बीसीसीआई एक्शन मोड में दिख रही है। माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी के बाद टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ में कई बड़े फेरबदल हो सकते हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई भारतीय टीम के लिए नए बैटिंग कोच की तलाश में है। मौजूदा समय में अभिषेक नायर टीम इंडिया के बैटिंग कोच हैं, लेकिन उनकी नेतृत्व में टीम इंडिया के बल्लेबाजों का प्रदर्शन पिछले दो सीरीज में निराशाजनक रहा।

क्रिकबज की ये रिपोर्ट जैसे ही सामने आई सोशल मीडिया पर ये आग की तरह फैल कई। ऐसे में इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भी रिएक्ट किया और खुद को भारतीय टीम के बैटिंग कोच के लिए उपलब्ध बताया है। हालांकि, पीटरसन ने ये बात मजाक में ही कही है, लेकिन अगर वे टीम इंडिया के बैटिंग कोच बनते हैं ये काफी बेहतर हो सकता है।

कई दिग्गजों ने अभिषेक नायर पर उठाए हैं सवाल

- बता दें कि अभिषेक नायर के बैटिंग कोच के तौर पर सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों ने भी सवाल उठाए हैं। हालांकि, अभिषेक नायर ने इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बैटिंग कोच के शानदार काम किया था, लेकिन उनकी कोचिंग में भारतीय टीम के प्रदर्शन का ग्राफ नीचे गिरा है। यही कारण है कि अब उनके ऊपर तलवार लटक गई है।
- सिर्फ अभिषेक नायर ही नहीं, टीम इंडिया के हेड कोच भी बीसीसीआई के निशाने पर हैं। कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि टीम के सीनियर खिलाड़ियों और मुख्य कोच गंभीर के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि चैंपियंस ट्रॉफी उनके लिए काफी अहम है। अगर इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो फिर उनकी जगह को भी खतरा हो सकता है।

रोहित जैसा कप्तान नहीं देखा, उनके नेतृत्व में शुरुआत करना सौभाग्य की बात : आकाश दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 1-3 से मिली हार के बाद रोहित शर्मा की कप्तानी की आलोचनाओं के बीच भारत के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश दीप ने सलामी बल्लेबाज की नेतृत्व शैली की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अब तक उनके जैसा कप्तान नहीं देखा।

रोहित को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपनी नीरस कप्तानी और निराशाजनक बल्लेबाजी के लिए लगातार आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण पर्थ में सीरीज के पहले मैच से चूकने के बाद रोहित पांच पारियों में 10 रन से अधिक बनाने में विफल रहे और फिर उन्होंने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में पांचवें टेस्ट में आराम करने का फैसला किया। उन्होंने सीरीज में कुल 31 रन बनाए और अपने खराब प्रदर्शन के लिए लोगों की आलोचनाओं का शिकार हुए।

आकाश ने खास बातचीत में रोहित की कप्तानी और कोच गौतम गंभीर के दृष्टिकोण की सराहना की और कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे रोहित (शर्मा) के नेतृत्व में शुरुआत करने का मौका मिला। जिस तरह से वह नेतृत्व करते हैं और चीजों को सरल रखते हैं, मैंने अब तक उनके जैसा कप्तान नहीं देखा। गंभीर सर, जिस तरह से वह प्रेरित करते हैं और स्वतंत्रता देते हैं - वे चीजें वास्तव में खिलाड़ियों को मानसिक रूप से मदद करती हैं।

पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ शानदार टेस्ट डेब्यू करने वाले आकाश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टेस्ट खेले। गाबा टेस्ट में उन्होंने दो पारियों में तीन विकेट लिए और मेलबर्न टेस्ट में सिर्फ

दो विकेट लिए। अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे के अनुभव को साझा करते हुए 28 वर्षीय तेज गेंदबाज ने कहा, मैंने बहुत कुछ सीखा, क्योंकि इससे पहले मैंने भारतीय परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट खेला था, जहां गेंदबाजी उतनी महत्वपूर्ण नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया में एक तेज गेंदबाज के रूप में, मैंने बहुत कुछ सीखा जो मेरे खेल को मानसिक और शारीरिक रूप से दोनों तरह से मदद करेगा। यहां तक ????कि जब हमारे शरीर उन परिस्थितियों में थक गए थे, तब भी हमारी मानसिकता खुद को आगे बढ़ाने की थी क्योंकि टीम को हमसे लंबे स्पेल की जरूरत थी।

उन्होंने अपने खेल में सुधार पर जोर देते हुए स्वीकार किया कि वह अपने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा, अगर मैं संतुष्ट हो जाता हूं, तो सुधार की संभावना कम हो जाएगी। मुझे लगता है कि अभी भी ऐसे क्षेत्र हैं जहां मैं सुधार कर सकता हूं, और मैं सक्रिय रूप से ऐसा करने की कोशिश कर रहा हूं। यह ऑस्ट्रेलिया का मेरा पहला दौरा था, इसलिए मुझे उन परिस्थितियों का अनुभव नहीं था कि मैं अपनी गेंदबाजी में और क्या जोड़ सकता हूं। मुझे लगता है कि मुझे पिच और बल्लेबाजों को पढ़ने और परिस्थितियों को समझने में अपने कौशल में और सुधार करने की जरूरत है।

आकाश ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट से चूक गए क्योंकि वह पीठ की समस्या से जूझ रहे थे। अपनी चोट के बारे में अपडेट करते हुए तेज गेंदबाज ने कहा कि उनके साथ सब कुछ ठीक है, और वह दो सप्ताह के आराम के बाद अपना प्रशिक्षण फिर से शुरू करेंगे। आकाश ने कहा, मैं अभी आराम कर रहा हूं, कोई चोट नहीं है। मैं लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट खेल रहा हूं, इसलिए मेरे शरीर को आराम की जरूरत है और आराम ठीक है। मुझे दो सप्ताह का आराम मिला है और फिर मैं अपना प्रशिक्षण शुरू करूंगा।

आरसीबी ने इंग्लैंड की ऑलराउंडर को टीम में शामिल किया, चोटिल सोफी मोलिनू की जगह लेगी

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए चोटिल सोफी मोलिनू की जगह बृहस्पतिवार को इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को शामिल किया। फ्रेंचाइजी ने कहा कि मोलिनू घुटने की चोट के कारण डब्ल्यूपीएल के तीसरे चरण में नहीं खेल पाएंगी। डीन इंग्लैंड के लिए तीन टेस्ट और 39 वनडे के अलावा 36 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं। वह 30 लाख रुपए में आरसीबी से जुड़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया की मोलिनू इससे पहले घुटने की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी महिला चैंपियनशिप वनडे श्रृंखला से बाहर हो गई थीं। गत चैम्पियन आरसीबी ने पिछले चरण के फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया था।

एसए 20 लीग

पार्ल रॉयल्स ने मुंबई केपटाउन को 6 विकेट से हराया

पार्ल (एजेंसी)। उदीयमान सितारे लुआन ड्रे प्रिटोरियस ने शानदार अर्धशतक लगाया जिसकी मदद से पार्ल रॉयल्स ने एसए 20 लीग के मैच में मुंबई केपटाउन को छह विकेट से मात दी। 18 वर्ष के प्रिटोरियस ने 52 गेंद में 83 रन की पारी में तीन छक्के और आठ चौके लगाये । इसी मैदान पर पदार्पण मैच में उन्होंने 97 रन बनाए थे।

मुंबई इंडियंस केपटाउन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 158 रन बनाए थे। प्रिटोरियस को पारी में दो जीवनदान भी मिले जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। वह एमआई केपटाउन के कप्तान राशिद खान की शानदार फील्डिंग पर रन आउट होकर पवेलियन लौटे। रॉयल्स के कप्तान डेविड मिलर ने नाबाद 22 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले एमआई केपटाउन ने रासी वान डेर डुसेन के 64 गेंद में नाबाद 91 रन की मदद से मजबूत स्कोर बनाया। रीजा हेंड्रिक्स ने 30 रन का योगदान दिया लेकिन मुजीबुर रहमान ने जैसे ही उन्हें आउट किया, उनकी टीम की लय टूट गई। एमआई केपटाउन इस हार के बावजूद नौ अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि रॉयल्स और जोबर्ग सुपर किंग्स आठ अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अगर मुक्केबाजी शामिल होती है तो मैं हिस्सा लूंगा : मुक्केबाज निशांत देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेशेवर सर्किट में प्रतिस्पर्धा करने के अपने बचपन के सपने को पूरा करने के लिए तैयार भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने कहा कि इस कदम का मतलब यह नहीं है कि ओलंपिक पदक के लिए उनकी कोशिश खत्म हो जाएगी इसलिये अगर यह खेल 2028 लॉस एंजिलिस में बना रहता है तो वह इसमें शिरकत करेंगे। निशांत ने पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में

मिली करीबी हार और ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण पेशेवर बनने का फैसला किया। हालांकि वह लॉस एंजिलिस ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। 2023 विश्व चैंपियनशिप में लाइट मिडिलवेट (71 किग्रा) में कांस्य पदक जीतने वाले इस मुक्केबाज ने एडी हर्न की 'मैचरूम बॉक्सिंग' से करार किया है। उनकी पहली पेशेवर बाउट 25 जनवरी को लॉस एंजिलिस में होगी। देव लॉस एंजिलिस में पेशेवर मुक्केबाज रोनाल्ड सिम्स की देखरेख में अपना मुक्केबाजी कौशल निखार रहे हैं। उन्होंने लॉस एंजिलिस से कहा, 'मैं ओलंपिक में खेलने का अपना सपना पूरा करना चाहता था जो मैं कर चुका हूं। लेकिन अब मैं पेशेवर मुक्केबाजी में खेलने के अपने दूसरे सपने को पूरा करना चाहता हूं। देव को अब भी पेरिस ओलंपिक में मिली करीबी हार सालती है जिसमें वह मेक्सिको के मार्को वर्डे से विवादास्पद क्वार्टरफाइनल हार गये थे। उन्होंने कहा, 'मैं टूट गया था। इतने बड़े मंच पर इस तरह का झटका चुनौतीपूर्ण था। ओलंपिक में मुक्केबाजी के भविष्य की अनिश्चितता इस निराशा को और भी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, 'अभी तक मुक्केबाजी की ओलंपिक के लिए पुष्टि नहीं की गई है। मैं यह जानने के लिए तीन साल तक इंतजार नहीं करना चाहता कि यह ओलंपिक में शामिल नहीं है। इसलिए इस समय का उपयोग मेरे पेशेवर मुक्केबाजी के सपने को पूरा करने में किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'मैं अभी 24 साल का हूं और मुझे कहा गया है कि मैं इसके लिए बड़ा हूं। अगर मैंने विजेंदर सिंह या विकास कृष्ण की तरह देर से शुरुआत की होती तो मुझे इसका पछतावा होता क्योंकि इनके पेशेवर करियर का अंत इतना अच्छा नहीं रहा।

भारत-आयरलैंड

क्लीन स्वीप के बाद आयरलैंड पर लगा मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना

राजकोट (एजेंसी)। आयरलैंड की महिला क्रिकेट टीम पर भारत के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में धीमी ओवर गति के लिए बृहस्पतिवार को मैच फीस

का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। भारत ने इस मैच को 304 रन से जीतकर श्रृंखला क्लीन स्वीप की।

मेजबान टीम ने बुधवार को स्मृति मंधाना (135) और प्रतिका रावल (154) के शानदार शतकों की मदद से पांच विकेट पर 435 रन का विशाल स्कोर बनाया। यह किसी भी भारतीय टीम (पुरुष या महिला) का वनडे में बनाया गया सर्वोच्च स्कोर है। आयरलैंड की टीम 31.4 ओवर में 131 रन पर ढेर हो गई। आयरलैंड की टीम निर्धारित समय से दो ओवर पीछे रही जिससे मैच रेफरियों के आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी जी एस लक्ष्मी ने आयरलैंड पर जुर्माना लगाया। मैदानी अंपायर किम कॉटन और अक्षय टोट्रे, तीसरे अंपायर वीरेंद्र शर्मा और चौथी अंपायर वृंदा राठी यह जुर्माना तय किया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार टीम के निर्धारित समय के अंदर गेंदबाजी नहीं करने पर खिलाड़ियों पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। आईसीसी ने कहा, 'आयरलैंड के कप्तान गैबी लुईस ने जुर्माना स्वीकार कर लिया जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

आयरलैंड को क्लीन स्वीप कर बोली स्मृति मंधाना

हमारी टीम को इस साल वनडे में सर्वश्रेष्ठ बनाना होगा

राजकोट (एजेंसी)। स्मृति मंधाना का मानना है कि वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखलाओं में 3-0 से मिली जीत इस साल होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप की तैयारी के लिए शानदार है और उनकी टीम को इस साल को वनडे क्रिकेट में अपना सर्वश्रेष्ठ साल बनाना होगा। महिला वनडे विश्व कप इस साल भारत में होना है और मंधाना का मानना है कि लगातार छह वनडे जीतने के बाद अब उनकी टीम को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिल सकता है। उन्होंने बीसीसीआई द्वारा साझा किये गए वीडियो में कहा, 'विश्व कप वाले साल में 3-0 से मिली जीत खास है। हमें इस लय को कायम रखते हुए इस साल को वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ साल बनाना होगा। मंधाना (135) और प्रतिका रावल (154) के बीच पहले विकेटके लिये 233 रन की साझेदारी की मदद से भारत ने तीसरे वनडे में अपना सर्वोच्च स्कोर पांच विकेट पर 435 रन बनाकर 304 रन से जीत दर्ज की। मंधाना ने कहा, 'मैं खुलकर बल्लेबाजी करना चाहती थी। मैंने डगआउट में भी कहा था कि मैं अपने शॉट्स खेलूंगी क्योंकि हर बार ऐसा खेलने का मौका नहीं मिल पाता। वहीं रावल ने स्वीकार किया कि शतक के करीब पहुंचने पर वह थोड़ी धीमी पड़ गई थी लेकिन शतक पूरा होते ही तेजी से बल्लेबाजी की।

पृष्ठ एक के शेष....

मेरठ, अलीगढ़, आगरा के

अलीगढ़, बिजनौर, कानपुर नगर, प्रतापगढ़, बागपत, गाजियाबाद, मेरठ, बांदा, बाराबंकी फर्रुखाबाद, और सुल्तानपुर के जिलाधिकारी भी बदल गए हैं।

बुलंदशहर, अलीगढ़, प्रतापगढ़, बागपत, मेरठ और फर्रुखाबाद के जिलाधिकारियों को दूसरे जिले की कमान थमाई गई है। जबकि सहारनपुर के मंडलायुक्त ऋषिकेश भास्कर यशोद को अब मेरठ का मंडलायुक्त बना दिया गया है। वही मथुरा के जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह को आगरा का मंडलायुक्त बनाया गया है। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना की मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती संगीता सिंह को अलीगढ़ के मंडलायुक्त पद का कार्यभार सौंपा गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने तबदला आदेश जारी करते हुए उत्तर प्रदेश के मेरठ मण्डल में तैनात IAS अधिकारी सेल्वा कुमारी जे को मंडलायुक्त मेरठ से सचिव नियोजन एवं महानिदेशक अर्थ एवं संख्या तथा नरेंद्र प्रसाद पांडे सचिव नियोजन एवं महानिदेशक अर्थ एवं संख्या को सदस्य न्यायिक राजस्व परिषद प्रयागराज बना दिया गया है। इसी प्रकार IAS अधिकारी सुहास एलवाई के पास उत्तर प्रदेश के सचिव खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग तथा महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल का था पदभार वह महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल के अतरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिए गए हैं। वह सचिव खेलकूद एवं युवा कल्याण बने रहेंगें। उत्तर प्रदेश के आगरा मण्डल में तैनात रितु माहेश्वरी मंडलायुक्त आगरा से सचिव चिकित्सा शिक्षा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बनाई गई हैं ।

ऋषिकेश भास्कर यशोध मंडलायुक्त सहारनपुर से मंडलायुक्त मेरठ। शैलेंद्र कुमार सिंह जिलाधिकारी मथुरा से मंडलायुक्त आगरा, चंद्रप्रकाश सिंह जिलाधिकारी बुलंदशहर से डीएम मथुरा बनाए गए हैं।

श्रुति अपर मुख्य कार्यपालिका अधिकारी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण से जिलाधिकारी बुलंदशहर, चैत्रा वी मंडलायुक्त अलीगढ़ से महानिदेशक युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल, संगीता सिंह मुख्य कार्यपालक अधिकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना से मंडलायुक्त अलीगढ़, अर्चना वर्मा विशेष सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से मुख्य कार्यपालक अधिकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना बनाई गई हैं।

लखनऊ के डीएम सूर्यपाल गंगवार जिलाधिकारी लखनऊ से सचिव मुख्यमंत्री, विशाख जी जिलाधिकारी अलीगढ़ से जिलाधिकारी लखनऊ, संजीव रंजन जिलाधिकारी प्रतापगढ़ से जिलाधिकारी अलीगढ़ बनाए गए हैं।

शिव सहाय अवस्थी विशेष सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से जिलाधिकारी प्रतापगढ़, अंकित कुमार अग्रवाल जिलाधिकारी बिजनौर से निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण, जसजीत कौर अपर आयुक्त मेरठ से जिलाधिकारी बिजनौर और राकेश कुमार सिंह जिलाधिकारी कानपुर नगर से सचिव मुख्यमंत्री बनाए गए हैं।

जितेंद्र प्रताप सिंह जिलाधिकारी बागपत से जिलाधिकारी कानपुर नगर, अस्मिता लाल अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण से जिलाधिकारी बागपत बनाई गई हैं।

नागेंद्र प्रताप जिलाधिकारी बांदा से अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, जे रीभा निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण से जिलाधिकारी बांदा बनाई गई हैं। इंद्र विक्रम सिंह जिलाधिकारी गाजियाबाद से सचिव कृषि, कृषि विभाग कृषि विदेश

दीपक मीणा डीएम मेरठ से डीएम गाजियाबाद, डॉ विजय कुमार सिंह जिलाधिकारी फर्रुखाबाद से डीएम मेरठ बनाए गए हैं। आशुतोष कुमार द्विवेदी अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा से जिलाधिकारी फर्रुखाबाद, सत्येंद्र कुमार जिलाधिकारी बाराबंकी से विशेष सचिव मुख्यमंत्री, शशांक त्रिपाठी विशेष सचिव मुख्यमंत्री से जिलाधिकारी बाराबंकी बनाए गए हैं।

कृतिका ज्योत्सना जिलाधिकारी सुल्तानपुर से विशेष सचिव राज्य कर, कुमार हर्ष विशेष सचिव मुख्यमंत्री तथा विशेष सचिव नागरिक उड्डयन से जिलाधिकारी सुल्तानपुर, ईशान प्रताप सिंह विशेष सचिव मुख्यमंत्री से वर्तमान पद के साथ विशेष सचिव नागरिक उड्डयन तथा निदेशक नागरिक उद्यान का दिया गया है अतिरिक्त प्रभार।

प्रमुख सचिव ने की...

अधिकारी समीक्षा बैठक में मौजूद थे। इस दौरान किसानों व उद्यमियों के लिए जमीन उपलब्ध कराने, निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं, लैंड बैंक तैयार कराने तथा किसानों के मुददे समेत अन्य विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। बता दें कि प्रमुख सचिव नियुक्त होने पर आलोक कुमार द्वितीय की यह जनपद में पहली बैठक थी। इसके बाद प्रमुख सचिव ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के शीर्ष अफसरों के साथ बैठक की। जिसमें सीईओ रवि कुमार एनजी व अन्य अफसर मौजूद थे। तीसरे नंबर पर यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सीईओ डा. अरूणवीर सिंह तथा अन्य शीर्ष अफसरों संग उन्होंने समीक्षा बैठक की। खबर लिखे जाने तक बैठक जारी थी।

डीजे बजाने पर...

कैची लगने से वह लहू लुहान हो गया। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ससुराल आये...

इस हादसे में मोहित सागर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। गश्त कर रही पुलिस ने हादसे की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इस संबंध में मृतक के पिता बृजलाल ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

गांव सीदीपुर...

में रखे डेढ़ लाख रुपये व उसकी पत्नी के सोने के आभूषणों को चोरी कर ले गए। सोमवीर सिंह के मुताबिक चोरों ने पड़ोस में रहने वाले दीपक पुत्र सतपाल के घर पर भी चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर यहां से से 15 हजार रुपए व अन्य सामान चोरी कर ले गए।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

संगम ढाबा में...

उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट के भीतर बिना लाइसेंस के बगैर शराब पिलाना उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 60 व 60 (3) के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। बता दें कि नयावास गांव में कई रेस्टोरेंट संचालित होते हैं। शाम होते ही यह ओपन बार में तब्दील हो जाते हैं। इन रेस्टोरेंट व यहां लगने वाली ठेलियों पर शाम के समय शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है।

सीआईएसएफ कर्मी...

एटीएम कार्ड से पैसे निकालने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह हाल में हर्ष विहार कॉलोनी चिपियाना में अपने परिवार के साथ रह रहा है। 11 जनवरी को वह पंजाब बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गया था। उसने एटीएम से दो बार पैसे निकालने की कोशिश की लेकिन पैसे नहीं निकले। इसके बाद वह अपने घर आ गया। घर आने के 20 मिनट बाद उसे मोबाइल फोन पर पैसे निकालने के तीन मैसेज मिले। उसने बैंक के कस्टमर केयर पर फोन कर बात की तो पता चला कि उसके खाते से कुल 84500 रुपए बिना ओटीपी के निकल गए हैं। पीड़ित के मुताबिक जिस एटीएम पर वह पैसे निकालने गया था वहां कोई सुरक्षा गार्ड भी तैनात नहीं था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सर्विस सेंटर में युवक...

बृजेश नामक मिस्त्री से किसी बात पर उसकी बहस हो गई मिस्त्री ने उसके भाई के साथ गाली-गलौज कर लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिए। झगड़े के दौरान विवेक भाटी को गंभीर चोटे आई जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

ट्रांसफार्मर का...

इसके अलावा चोरों ने ट्रांसफार्मर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया जिस कारण क्षेत्र की आपूर्ति बाधित हो गई। स्थानीय नागरिकों द्वारा विद्युत आपूर्ति बाधित होने की शिकायत पर जब जांच कराई गई तो पता चला कि चोरों ने ट्रांसफार्मर को क्षतिग्रस्त कर दिया है।अवर अभियंता के मुताबिक इससे विभाग को भी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। अवर अभियंता की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और चोरों की पहचान का प्रयास कर रही है। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से ट्रांसफार्मरो से तेल व कीमती सामान चोरी होने की घटनाएं एकाएक बढ़ी हैं।

दिल्ली मेट्रो में...

तक आने- जाने के लिए बड़े पैमाने पर मेट्रो पर निर्भर हैं। छात्रों पर वित्तीय बोझ को कम करने के लिए मैं दिल्ली मेट्रो में छात्रों को 50त्न की रियायतें देने का प्रस्ताव रखता हूं। दिल्ली मेट्रो दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच 50-50 सहयोग की परियोजना है। इसलिए इस पर होने वाले खर्च को दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार आधा-आधा वहन करें।

रहस्यों से भरा है उत्तराखंड का ये खूबसूरत हिल स्टेशन, कहा जाता है

परियों का देश

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है और इस राज्य में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन जगहें हैं। इस राज्य की खूबसूरती को पास से देखने के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स की अच्छी खासी तादाद आती है। लेकिन कई बार हम सभी इस खूबसूरत जगहों के पीछे छिपे रहस्यों को जानकर हैरान रह जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी शहर के शोर-शराबे से दूर किसी शांत वातावरण में सुकून के दो पल बिताना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बेहद खूबसूरत होने के साथ-साथ रहस्यमयी भी है।

जन्नत से की जाती है तुलना

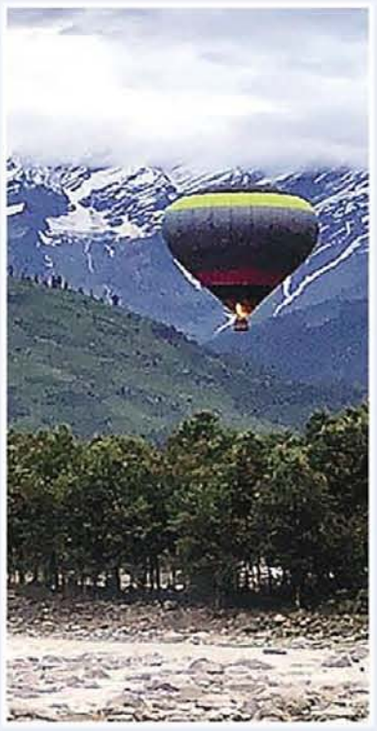

उत्तराखंड में स्थित इस छोटे से हिल स्टेशन की खूबसूरती की तुलना स्वर्ग से की जाती है। इस हिल स्टेशन का नाम खैट पर्वत है। खैट पर्वत को परियों का देश भी माना जाता है। ऐसे में आप भी बेहद कम बजट में उत्तराखंड के गढ़वाल जिले में स्थित थात गांव के इस हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करने के लिए आ सकते हैं।

रहस्यों के लिए भी फेमस है ये जगह

यहां पर रहने वाले स्थानीय लोगों की मानें, तो इस जगह पर परियां दिखती हैं। बताया जाता है कि इस जगह पर नजर आने वाली परियां थात गांव की रक्षा भी करती हैं। तो वहीं कुछ लोग इन परियों को योगिनियां और वनदेवियां भी कहते हैं। वहीं इस गांव के पास स्थित खैटखाल मंदिर को भी बेहद रहस्यमयी माना जाता है।

यहां जून में लगता है मेला

आपको बता दें कि इस गांव में जून के महीने में मेले का आयोजन किया जाता है। हरियाली से घिरा ये गांव आपका तनाव दूर करने में सहायक हो सकती है। वहीं अगर आप चाहें तो यहां पर कैंपिंग भी कर सकते हैं। हालांकि इस बेहद खूबसूरत गांव में शाम को 7 बजे के बाद कैंप से बाहर निकलने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा यहां पर म्यूजिक बजाने पर भी रोक है, माना जाता है कि परियों को शोर-शराबा पसंद नहीं है।

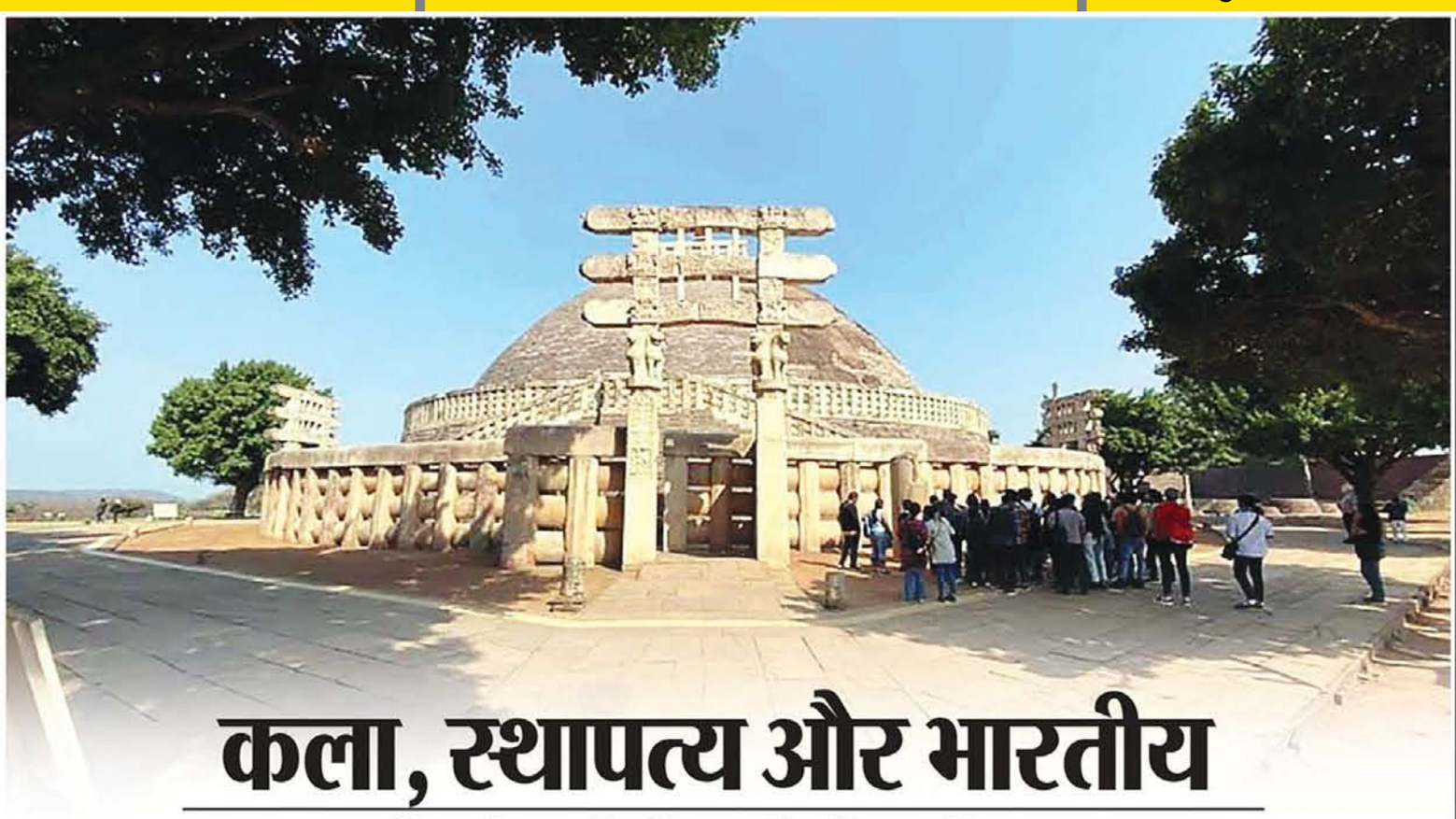

कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए एक

महत्वपूर्ण स्थल है सांची

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था।

भारत का इतिहास और संस्कृति विश्वभर में प्रसिद्ध है, और इस सांस्कृतिक धरोहर का एक अद्वितीय उदाहरण मध्यप्रदेश के सांची में देखने को मिलता है। सांची एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन स्तूपों, मठों, और बौद्ध अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है और यहाँ के ऐतिहासिक स्मारक भारतीय स्थापत्य कला और संस्कृति के अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सांची को यूनेस्को द्वारा 1989 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी, जो इसे और भी खास बनाता है।

सांची का इतिहास

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था। इसके अलावा, यहाँ के अन्य स्तूप, मठ, और विहार भी बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार से जुड़े हुए हैं। सांची का इतिहास भारत के प्राचीन धर्म और संस्कृति को दर्शाता है, और यहाँ के स्मारक बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण केंद्र माने जाते हैं।

सांची के प्रमुख आकर्षण

सांची स्तूप

सांची का प्रमुख आकर्षण सांची स्तूप है, जिसे सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान बनवाया था। यह स्तूप बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इसे विश्वभर से श्रद्धालु और पर्यटक देखने आते हैं। स्तूप की दीवारों पर बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण और उकेरे गए दृश्य अत्यंत प्रसिद्ध हैं। यह स्तूप बुद्ध की जीवन गाथाओं को चित्रित करता है और इसे भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

विक्रमादित्य का स्तूप

यह स्तूप सांची के प्रमुख स्तूपों में से एक है और इसमें बुद्ध के अवशेष रखे गए थे। इसे विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। यह स्तूप संरचनात्मक रूप से बहुत आकर्षक है और यहाँ की दीवारों पर बौद्ध धर्म के प्रतीकों और चित्रों को देखा जा सकता है।

अशोक स्तंभ

सांची में सम्राट अशोक द्वारा स्थापित एक विशाल स्तंभ स्थित है, जो बौद्ध धर्म के प्रचार और सम्राट अशोक के धार्मिक योगदान को दर्शाता है। इस स्तंभ पर अशोक के शिलालेख उकेरे गए हैं, जो उस समय के शासन और बौद्ध धर्म के प्रति उनके समर्पण को व्यक्त करते हैं।

विहार और मठ

सांची में कई मठ और विहार भी हैं, जो प्राचीन बौद्ध साधकों और भिक्षुओं के रहने के स्थल रहे हैं। इन मठों और विहारों का स्थापत्य और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ पर बौद्ध धर्म के अनुयायी ध्यान और साधना करते थे।

सांची संग्रहालय

सांची संग्रहालय बौद्ध कला और संस्कृति का एक प्रमुख स्थल है। इस संग्रहालय में सांची से प्राप्त प्राचीन मूर्तियाँ, स्तूपों के अवशेष, शिलालेख और अन्य धार्मिक वस्तुएं प्रदर्शित की जाती हैं। यहाँ आकर पर्यटक सांची के ऐतिहासिक महत्व को गहरे से समझ सकते हैं।

उदयगिरी गुफाएँ

सांची से कुछ किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरी गुफाएँ प्राचीन हिन्दू और बौद्ध कला के अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ भगवान विष्णु, शिव और बुद्ध के अद्वितीय चित्रण से सुसज्जित हैं।

सांची का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सांची का धार्मिक महत्व विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यधिक है। सम्राट अशोक द्वारा स्थापित स्तूप और अन्य स्मारक बौद्ध धर्म के आस्था और अनुशासन के प्रतीक माने जाते हैं। सांची न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह भारतीय कला, स्थापत्य, और संस्कृति का भी प्रमुख केंद्र है। यहाँ की वास्तुकला और मूर्तियों में उस समय की सामाजिक और धार्मिक जीवनशैली का चित्रण किया गया है, जो भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सांची कैसे पहुंचें?

वायु मार्ग- सांची का नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में स्थित है, जो लगभग 46 किलोमीटर दूर है। भोपाल से सांची तक टैक्सी या बस द्वारा आसानी से पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग- सांची का नजदीकी रेलवे स्टेशन सांची रेलवे स्टेशन है, जो यहाँ से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भोपाल, दिल्ली, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों से सांची के लिए ट्रेन सेवाएँ उपलब्ध हैं।

सड़क मार्ग- सांची प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। भोपाल, गुना, और उज्जैन जैसे शहरों से सांची के लिए नियमित बस सेवाएँ और टैक्सी उपलब्ध हैं।

सांची का मौसम

सांची का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है, लेकिन सबसे आदर्श समय यहाँ यात्रा करने के लिए सर्दियों (नवंबर से फरवरी) का होता है। इस समय का मौसम ठंडा और सुखद होता है, जो यात्रा के लिए उपयुक्त है। गर्मियों में तापमान थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन नर्म मौसम और वायु की ठंडक यहां की यात्रा को सुखद बना देती है।

सांची भारतीय इतिहास, संस्कृति और बौद्ध धर्म का अद्भुत संगम है। यहाँ के स्तूप, मठ, और संग्रहालय न केवल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक तीर्थ स्थल हैं, बल्कि कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थल हैं। सांची की यात्रा से आपको न केवल धार्मिक शांति और मानसिक संतुलन मिलेगा, बल्कि भारतीय प्राचीन कला और संस्कृति का भी अनमोल अनुभव होगा। अगर आप ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों में रुचि रखते हैं, तो सांची एक आदर्श गंतव्य है।

शिमला और कश्मीर से कम खूबसूरत नहीं ये ऑफबीट हिल स्टेशन, पर्यटकों की नहीं मिलेगी भीड़

घूमने के शौकीन लोग अक्सर छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। अक्सर घूमने का प्लान आते ही लोगों के मन में सबसे पहले हिल स्टेशनों के ऑप्शन पर ध्यान जाता है। हिल स्टेशन पर जाना अधिकतर लोगों को इसलिए भी पसंद होता है कि वह शहर की भीड़भाड़ से दूर सुकून के कुछ पल बिता सकें। लेकिन कई फेमस हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ पहुंचती है। अगर आप भी शिमला-मनाली, मसूरी और धर्मशाला आदि हिल स्टेशनों पर जाना चाहते हैं, तो यहां बहुत ज्यादा ट्रैफिक और भीड़ होती है। हालांकि कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं, जो कश्मीर, शिमला या मनाली से कम नहीं और लोग इनके बारे में अधिक जानते भी नहीं। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, जहां पर पर्यटकों की भीड़ कम होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन ऑफबीट हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पर्यटकों की ज्यादा भीड़ नहीं पहुंचती है। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले की सैंज घाटी में एक बेहद खूबसूरत गांव है। इस गांव का नाम शांघड़ है। बता दें कि इस गांव के नजारे स्विट्जरलैंड की तरह हैं। इसी वजह से इस गांव को कुल्लू का खज्जियार या भारत का दूसरा मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है।

शांघड़

यहां के मैदान में हरे-भरे पेड़ और अद्भुत चीड़ के पेड़ों और रंग-बिरंगे छोटे घरों का नजारा बिलकुल विदेशी पर्यटन जैसे लगता है। शांघड़ में आप शंगचुल महादेव मंदिर, शांघड़ मीडोज, बरशानगढ़ झरना और रैला गांव में लकड़ी से बना टावर मंदिर है। इस जगह पर आप मन की शांति और सुंदर दृश्यों का नजारा देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

शांघड़ जाने के लिए आप अपने शहर से अंबाला, चंडीगढ़ या जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर सड़क मार्ग से मनाली जाएं। इसके बाद शांघड़ पहुंचने के लिए मनाली से सैंज का सफर स्थानीय बस से कर सकते हैं। इसके अलावा आप कुल्लू हवाई अड्डा पहुंचकर भंतर से सैंज के लिए टैक्सी या बस पकड़ सकते हैं।

कनातल

यदि आप छिपे हुए खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं, तो उत्तराखंड के कनातल हिल स्टेशन पर जा सकते हैं। कनातल में सीमित सैलानी आते हैं और प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए और भीड़-भाड़ से दूर सुकून के दो पल बिताने के लिए यहां पहुंच सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग और ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह हिल स्टेशन देहरादून से 78किमी की दूरी पर है। मसूरी से कनातल 38 किमी और चंबा से 12 किमी दूर यहां पर पहुंचना बहुत आसान है।

ऐसे पहुंचें

कनातल हिल स्टेशन की सैर के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन से आगे बस का सफर कर सकते हैं। अगर आप मसूरी या चंबा में हैं, तो आप भी टैक्सी या स्थानीय बस से कनातल की सैर कर सकती हैं।

कलगा गांव

ट्रैकिंग के शौकीन लोगों को कलगा गांव जाना चाहिए। यहां पर कलगा-बुनबुनी-खीरगंगा ट्रैक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। बता दें कि इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में 3 दिन का समय लग सकता है। यह गांव और ट्रैक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्वती घाटी में पुलगा डैम के पास स्थित है। ट्रैकिंग के अलावा आप यहां पर पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है। तो वहीं सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा काफी मनमोहक होता है।

ऐसे पहुंचे कलगा

कुल्लू जिले के भुंतर तक सड़ और हवाई मार्ग से जा सकते हैं। यहां से हवाई अड्डे से 25 किमी की दूरी पर मणिकर्ण है। जहां के लिए बहुत आसानी बस या टैक्सी मिल जाती है। मणिकर्ण से महज 10 किमी की दूर कलगा गांव है। जहां से ट्रैक शुरू होता है।

मैं घर नहीं बैठा हूं

एकता कपूर के बाद राम कपूर पर भड़के अमर उपाध्याय

एक्टर राम कपूर इन दिनों विवादों में घिर गए हैं, हाल ही में एकता कपूर ने उन्हें जवाब दिया था और अब टीवी एक्टर अमर उपाध्याय ने भी उन्हें जवाब दिया है। राम कपूर ने अमर के टीवी छोड़कर फिल्मों में काम करने को लेकर सवाल उठाया था। सिद्धार्थ कन्नन के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, राम कपूर ने दावा किया था कि उन्होंने अमर उपाध्याय को टीवी न छोड़ने की सलाह दी थी, लेकिन अमर ने उनकी बात नहीं मानी थी। राम का मानना था कि अमर का फ़िल्मी करियर उम्मीद के मुताबिक नहीं चला, जिससे यह एक गलत फैसला साबित हुआ था। हालांकि, अमर ने राम के बयान पर जवाब देते हुए टेली टॉक से कहा, मेरे प्रीमियर के दिन, एक पत्रकार ने मुझसे इसे लेकर कुछ पूछा, और मुझे इस बारे में पता नहीं था।

मैंने अभी तक नहीं पढ़ा था। किसी ने मुझे बताया कि वे एकता के बारे में बात कर रहे थे, और मुझे लगा कि वे सिर्फ़ रूमर्स फैला रहे हैं। अमर ने टीवी छोड़ने के अपने फ़ैसले के बारे में राम की टिप्पणियों पर भी बात की, उन्होंने कहा, मैं दो-चार दिन से ज़्यादा घर पर नहीं बैठता; अगर मैं काम नहीं करता तो पागल हो जाता हूँ। मैं टीवी नहीं छोड़ने वाला हूँ, और मैं इसे इसलिए नहीं छोड़ूँगा क्योंकि टेलीविज़न ने मुझे लगातार काम दिया है।अमर ने बताया कि वे 2003 से लगातार इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, जिसमें वेब सीरीज़, क्षेत्रीय फ़िल्में और टीवी शो शामिल हैं। दरअसल, अमर की हाल ही में रिलीज़ हुई गुजराती फ़िल्म बहुत सफल रही, और उनके पास और भी प्रोजेक्ट हैं। टेली टॉक से बात करते हुए अमर ने कहा, आज रात मेरी एक और बड़े टीवी शो के लिए मीटिंग है, और मैं सोच रहा हूँ कि मुझे कितना काम करना है।

अभिजीत का दिलजीत-करण पर तंज

मेरे बच्चे कभी भी उनके कॉन्सर्ट की टिकट नहीं खरीदेंगे

बॉलीवुड के मशहूर गायक अभिजीत भट्टाचार्य ने हाल ही में पंजाबी गायकों दिलजीत दोसांझ और करण औजला पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि वे अपने संगीत कार्यक्रमों में गाने के बजाय केवल नाचते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बच्चे कभी भी दिलजीत या करण के शो पर पैसा खर्च नहीं करेंगे। इंटरव्यू में अभिजीत ने बताया कि वह बचपन से ही कॉन्सर्ट करते आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि लता मंगेशकर जैसे दिग्गज कलाकार ऐसे शो करते थे, जहां दर्शक बैठकर हर गाने में डूब जाते थे।

दिलजीत और करण गाते नहीं है, बस डांस करते हैं

सिंगर ने कहा, यहां तक कि मेरे शो में भी, लोग परफॉर्मेंस का आनंद लेने के लिए बैठे होते हैं और वे मेरे लिए ताली बजाते हैं। इसे एक संगीत कार्यक्रम कहा जाता है। जिनकी बात हो रही है यानी दिलजीत और करण वो गाते नहीं हैं, सिर्फ डांस करते हैं। पहले सुपरस्टार डांस करते हैं मेरे गानों पर, अब अमेरिकी सितारे भी करते हैं।

हिंदी पट्टी में भी काफी मशहूर हैं विजय सेतुपति

विजय सेतुपति भारतीय सिनेमा के एक ऐसे अभिनेता हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और अभिनय से दक्षिण भारत की फिल्म इंडस्ट्री में एक बड़ा मुकाम हासिल किया। मुख्य रूप से तमिल फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा दिखाने वाले विजय ने अपने करियर की शुरुआत छोटे-मोटे किरदारों को निभाकर की थी, लेकिन धीरे-धीरे अपनी प्रतिभा के दम पर उन्होंने केवल साउथ ही नहीं, बल्कि हिंदी पट्टी में भी अपनी तगड़ी फैन फॉलोइंग बना ली। फिल्मों में आने से पहले किए कई काम

विजय सेतुपति आज जिस मुकाम पर हैं, उसे हासिल करने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। बचपन में वह औसत से भी नीचे के छात्र थे। विजय सेतुपति बैचलर ऑफ कॉमर्स की पढ़ाई कर चुके हैं। वह फिल्मी बैकग्राउंड से नहीं आते। अभिनय की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने एक रिटेल स्टोर में सेल्समैन, फास्ट फूड ज्वाइंट में कैशियर और पॉकेट मनी के लिए फोन बूथ ऑपरेटर के रूप में काम किए हैं। इसी दौरान जब वह इन सब कामों से निराश हो गए थे तो भारत आ गए थे। उन्होंने 16 साल की उम्र में एक बार नम्मावर में एक भूमिका के लिए ऑडिशन दिया था, लेकिन छोटी हाइट के चलते उन्हें रिजेक्शन झेलना पड़ा था।

फिल्मों में पैर जमाने के लिए किया लंबा संघर्ष

अभिनय की दुनिया में कदम जमाना भी विजय के लिए आसान नहीं रहा। दुबई में अकाउंटेंट की नौकरी छोड़कर उन्होंने फिल्मों में किस्मत आजमाई। शुरुआत उन्होंने बैकग्राउंड एक्टर यानी पीछे खड़े रहने वाले कलाकार के रूप में की थी।

अपने अभिनय में और निखार लाने के लिए उन्होंने थिएटर ग्रुप भी जॉइन किया। कई टीवी शोज और शॉर्ट फिल्मों में लगातार संघर्ष करने के बाद कार्तिक सुब्बाराज ने उन्हें मौका दिया। इसके बाद विजय ने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। साल 2010 में थेनमेरकु पारुवाकात्रु फिल्म उनके करियर के लिए टर्निंग प्वॉइंट साबित हुई।

फातिमा सना शेख ने अपने जीवन पर किए कई खुलासे

फातिमा सना शेख ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कई दिलचस्प खुलासे किए। उन्होंने साझा किया कि एक मजेदार सोशल मीडिया टिप्पणी पढ़कर वह अपनी हंसी नहीं रोक पाई थीं। फातिमा सना शेख हिंदी सिनेमा की प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने अभिनय के दम पर उन्होंने कम समय में दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। हाल ही में उन्होंने अपने जीवन के कई पहलुओं को लेकर फिल्मफेयर से खुलकर बात की। मिर्गी के बारे में बात करते हुए उन्होंने साझा किया कि उन्हें 'दंगल' फिल्म की शूटिंग के दौरान इस बीमारी का पता चला था।

मिर्गी के दौरे पर की खुलकर बात

फातिमा के मुताबिक एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर होने के बावजूद उन्होंने खुद को मानसिक रूप से मजबूत बना रखा है। वह अब इसे अपने काम के बीच कभी आड़े नहीं आने देतीं। फातिमा ने कहा कि उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है और इससे निपटने के लिए मदद भी ली है। उन्होंने कहा कि पहले मुझे लगा कि चमकती रोशनी मिर्गी के दौरे को ट्रिगर करती है, इसलिए मैं इवेंट और स्क्रीनिंग से बचती थी और फोटोग्राफरों से फ्लैश का उपयोग न करने के लिए कहा करती थी। वे बहुत समझदार थे। बाद में मुझे एहसास हुआ कि चमकती रोशनी वास्तविक रूप से ट्रिगर नहीं करती थी, इसलिए मैंने उन्हें तस्वीरें लेने की अनुमति देनी शुरू कर दी। शुरू में मुझे सप्ताह में एक या दो बार दौरे पड़ते थे, लेकिन अब कम आते हैं। यह अभी भी कभी-कभी मेरे शूटिंग शेड्यूल को बाधित करता है, लेकिन अब हर कोई समझता है। उन्होंने कहा कि मैं अब इसे स्वीकार कर चुकी हूं, क्योंकि ये मेरे नियंत्रण के बाहर की चीज है।

ये अफवाह फातिमा को लगी सबसे अजीब

फातिमा ने अपनी दोस्ती और रिश्तों को लेकर भी खुलासा किया। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने अपने बारे में सबसे अजीब बात क्या सुनी है? तो उन्होंने कहा कि मुझे सुनने को मिला था कि मैं सान्या मल्होत्रा को डेट कर रही हूं। ऐसा इसलिए था, क्योंकि हम बहुत करीब थे। लोगों ने दो युवा अभिनेत्रियों को एक साथ लॉन्च होते हुए और एक-दूसरे के साथ इतने सहज और खुश नहीं देखा था।

ऋतिक को फिल्म में नहीं लेना चाहते थे राकेश रोशन

रोशन परिवार की जिंदगी पर बनी डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशन्स 17 जनवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। सीरीज की रिलीज से पहले राकेश रोशन का सीरीज से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने वो किस्सा शेयर किया, जब उनके ससुर चाहते थे कि ऋतिक रोशन फिल्म कोयला में काम करें। हालांकि राकेश रोशन ने ऋतिक के चुप-चुप रहने का हवाला देते हुए इससे इनकार कर दिया था। नेटफ्लिक्स इंडिया के यूट्यूब चैनल पर शेयर किए गए वीडियो में ऋतिक रोशन अपने पिता राकेश रोशन और चाचा राजेश रोशन के साथ फैमिली एल्बम देखते नजर आए हैं। पन्ने पलटाते हुए राकेश रोशन, हर तस्वीर से जुड़ा किस्सा सुनाते हैं। उन्होंने फिल्म कहो न प्यार है के सेट की एक तस्वीर दिखाई, जिसमें कोरियोग्राफर फराह खान ऋतिक रोशन के बाईसेप्स देखती नजर आई हैं। तस्वीर पर राकेश रोशन ने कहा कि मैं फराह को सीन समझा रहा था और वो इसके बाईसेप्स देख रही थी। आगे उन्होंने ऋतिक के उन दिनों की तस्वीर दिखाई, जब वो शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित स्टारर फिल्म कोयला में असिस्टेंट डायरेक्टर थे।

जैकी श्रॉफ ने अपने किरदार से सुर्खियो में

जैकी श्रॉफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन में खलनायक के रूप में अपने रोल को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं। स्क्रीन पर खतरनाक किरदार निभाने वाले जैकी अब अमेजन एमएक्स प्लेयर के सीरीज चिड़िया उड़ में नजर आ रहे हैं। इस सीरीज में दर्शक एक बार जैकी श्रॉफ के खतरनाक अवतार को देख पाएंगे क्योंकि पूरी सीरीज अंडरवर्ल्ड के इर्द गिर्द घूमती है।

कादिर खान की भूमिका में छाए जैकी श्रॉफ

सीरीज में जैकी किरदार का नाम कादिर खान है। जो मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर राज करता है। सीरीज की पूरी कहानी 90 के दशक की है, जिसमें मुंबई का माहौल काफी खतरनाक होता है। इस शहर में अंडरवर्ल्ड का दबदबा होता है और जिस्मफरोशी की दुनिया की गुमनाम गलियां होती हैं। गांव से आई लड़कियों का शोषण किया जाता है और जो लोग इससे बाहर निकलना चाहते हैं, यह सीरीज उनके दर्द को बखूबी बयां करती है।

यह है सीरीज की कहानी

सीरीज की कहानी में जैकी का किरदार कादिर पूरे शहर में सम्मान प्राप्त करता है और पूरे नेटवर्क की चाबी रखता है। हालांकि, वह अपने निजी संबंधों में काफी उलझा हुआ रहता है। कादिर अपने बेटे अकरम को अपना उत्तराधिकारी बनाना चाहता है। अपने किरदार के बारे में बताते हुए जैकी श्रॉफ ने कहा, कादिर खान का किरदार निभाना एक बड़ी चुनौती थी।

वह काफी अलग है और यह चीज मुझे उनके किरदार से जोड़ती है। जैसा कि मैं कहता हूं वह बिंदास है, लेकिन उसके अपने संघर्ष हैं। इस सीरीज का निर्देशन रवि जाधव ने किया है। पूरी सीरीज को मोहिंदर प्रताप सिंह और चिंतन गांधी ने लिखी है।

यह सीरीज आबिद सुरती के मशहूर उपन्यास केज पर आधारित है। चिड़िया उड़ में भूमिका मीणा मुख्य भूमिका में हैं। इसके साथ ही सीरीज में सिकंदर खेर, मधुर मित्तल, मयूर मोरे और मीता वशिष्ठ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

अवनीत कौर ने ऑल ब्लैक आउटफिट में दिखाई ग्लैमरस अदाएं

एक्ट्रेस अवनीत कौर अपने हुस्न और बोल्डनेस से फैंस के होश उड़ा देती हैं. वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज फैंस के साथ साझा करती नजर आ जाती हैं. अब अवनीत ने कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह ऑल ब्लैक लुक में बेहद ही बोल्ड लग रही हैं. इन तस्वीरों में अवनीत कौर का कर्वी फिगर देखकर फैंस भी लट्टू हो गए हैं. इस आउटफिट के साथ अवनीत कौर ने ब्लैक हील्स पहनी हुई है और वह अपने टोन्ड लेग्स जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं. फोटो में एक्ट्रेस अपने लुक्स से कहर ढा रही हैं. इस तस्वीर में अवनीत कौर अपने बालों को संवारती दिख रही हैं. एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को अब तक लाखों की संख्या में लाइक किया जा चुका है.

बरखा मदान ने लिया सन्यास

कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जिन्होंने एक्टिंग को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उनमें से कुछ ऐसी हैं जिन्होंने लाइमलाइट की दुनिया छोड़ धर्म की राह पर चलना जरूरी समझा। जायरा वसीम, सना खान ने भी ऐसा ही कुछ किया है। ऐसी ही एक्ट्रेस बरखा मदान हैं, जिन्होंने मॉडलिंग, एक्टिंग सब छोड़कर खुद को संन्यासी बना लिया है। एक्ट्रेस ने अक्षय कुमार के साथ काम किया है, साथ ही वो मिस इंडिया के खिताब के लिए ऐश्वर्या राय और सुष्मिता सेन को भी टक्कर दे चुकी हैं। बरखा ने बुद्धिष्ट मॉन्क बनने के लिए अपना एक्टिंग करियर छोड़ दिया और अब वो ग्याल्टेन सैमटेन के नाम से जानी जाती हैं। मॉडलिंग इंडस्ट्री की एक जानी-मानी हस्ती बरखा ने 1994 में मिस इंडियन ब्यूटी कंपटीशन में हिस्सा लिया था और जहां उनका मुकाबला सुष्मिता सेन और ऐश्वर्या राय के साथ था। विनर और फर्स्ट रनरअप के बाद बरखा सेकेंड रनरअप थीं। बरखा ने मिस टूरिज्म इंडिया का खिताब भी जीता था और वो मलेशिया में मिस टूरिज्म इंटरनेशनल प्रतियोगिता में तीसरी रनर-अप रही थीं। बरखा ने अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' में काम किया था, ये फिल्म साल 1996 में आई थी। इस फिल्म में अक्षय और बरखा के अलाव रेखा और रवीना टंडन भी थीं। ये एक सुपरहिट फिल्म थी, लेकिन बरखा के लिए ये मील का पत्थर साबित नहीं हुई। साल 2003 में बरखा राम गोपाल वर्मा की 'भूत' फिल्म में नजर आई थीं। बरखा ने फिल्मों के अलावा कई टीवी सीरियल में भी काम किया था। वो 'न्याय', 'क्रांति' जैसे सीरियल में नजर आ चुकी हैं। इस सीरियल में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई का किरदार निभाया था। साल 2003 के बाद वो 2005 स 2009 तक उन्होंने जी टीवी के फेमस सीरियल 'सात फेरे' किया, जिसमें उनके साथ शरद केलकर और राजश्री भी थे।

मंडलायुक्त ने किया कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण, दिये कई निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। मंडलायुक्त मेरठ मंडल मेरठ सेल्वा कुमारी जे0 ने सूरजपुर ग्रेटर नोएडा स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर कलेक्ट्रेट में स्थित ईआरके, संयुक्त कार्यालय, शस्त्र अनुभाग, भूलेख अनुभाग, नजारत अनुभाग, सीआरए अनुभाग आदि पटलों का बहुत ही गहनता के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में गार्ड फाइल, डाक डिस्पैच रजिस्टर, निरीक्षण रजिस्टर तथा पत्रावलियों का निरीक्षण करते हुए निर्देश दिए कि सभी कार्यालयों में रिकॉर्ड रजिस्टर एवं पत्रावलियों का रखरखाव मानकों के अनुरूप रखा जाए।

मंडलायुक्त ने निरीक्षण के दौरान कहा कि सभी कार्यालयों के पटलों पर कर्मचारी की नेम प्लेट एवं जॉब चार्ट होना अनिवार्य है। इसलिए जिन पटलों पर कर्मचारी की नेम प्लेट एवं जॉब चार्ट नहीं है, उसे तत्काल लगाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने नजारत अनुभाग एवं कार्यालयों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कलेक्ट्रेट परिसर एवं कार्यालयों में मूलभूत सुविधाओं एवं साफ सफाई को सुदृढ़ रखा जाए। उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में लगे फायर संयंत्र संचालित रहे, इनकी समय-समय पर जांच की जाए एवं कर्मचारियों को भी फायर संयंत्र संचालित करने के संबंध में प्रशिक्षण दिलाया जाए।

मंडलायुक्त ने निरीक्षण के दौरान कहा कि सभी अधिकारीगण एवं कर्मचारी गण समय से अपने-अपने ऑफिस में उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

इस दौरान मंडल आयुक्त के साथ अपर आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ अमित कुमार, जिलाधिकारी मनीष वर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, नगर मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर चारुल यादव, उप जिलाधिकारी जेवर अभय सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, डिप्टी कलेक्टर वेद प्रकाश पांडे तथा अन्य आधिकारिक उपस्थित रहे।

अवैध वसूली का केन्द्र साबित हो रहा है शिवम ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर

परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव के निर्देश के बाद इस सेंटर पर गाज गिरना तय

नोएडा (चेतना मंच)। गाजियाबाद के ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर पर अवैध रूप से ड्राइविंग टेस्ट लिया जा रहा है। बताया जा रहा है कि टेस्ट लेने का अधिकार ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने दिया था, जो पूरी तरह गलत था। जांच के बाद प्रमुख सचिव परिवहन ने इस आदेश को निरस्त कर दिया है। कुछ ऐसी ही धांधली गौतमबुद्ध नगर के बिसाहड़ा स्थित ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर पर चल रही है। यहां भी ड्राइविंग टेस्ट के नाम पर अवैध वसूली की जा रही है। कई बार इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की जा चुकी है। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अभी तक इस सेंटर का ऑडिट भी नहीं हुआ है।

बताया जा रहा है कि गाजियाबाद के ड्राइविंग की ट्रेनिंग देने का अधिकार मिला था, वहां नियमों के खिलाफ जाकर डाइविंग टेस्ट लेने का अधिकार ट्रांसपोर्ट कमिश्नर ने दिया था। जब यह मामला प्रमुख सचिव परिवहन तक पहुंचा तो उन्होंने सभी प्रकरण की जांच करवाई। इसमें पाया गया कि गाजियाबाद में एक्रीडेटेड ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर (ADTC) को डाइविंग टेस्ट किए जाने का आदेश किया गया, जो परी तरह से गलत है। इसलिए इस आदेश को निरस्त कर दिया गया। ऐसे में अब ट्रेनिंग सेंटरों में ड्राइविंग टेस्ट नहीं होगा। साथ ही कहा कि इस पर दो दिन के भीतर रिपोर्ट बनाकर दी जाए। इस तरह के गलत आदेश जारी करने के लिए कौन-कौन से लोग दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई का भी प्रस्ताव बनाकर भेजा जाए। फिलहाल प्रमुख सचिव के इस आदेश के वाद शासन स्तर से लेकर संभागीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों में हड़कंप मचा है।

गौतमबुद्धनगर में प्रदेश का पहला निजी ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र बिसाहड़ा में एक अगस्त 2024 से शुरू हुआ। यहां एडवांस ड्राइविंग टेस्ट सिस्टम और ट्रैक बनाया गया है। यहां ड्राइविंग की ट्रेनिंग देने के बाद साथ-साथ टेस्ट भी लिया जाता है। लेकिन प्रमुख सचिव परिवहन के आदेश के बाद बिसाहड़ा में ड्राइविंग टेस्ट नहीं होगा। जिसके बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है कि अब टेस्ट कहां होगा। फिलहाल इस बारे में अधिकारियों को भी जानकारी नहीं है। लेकिन एक से दो दिन में स्थिति साफ हो जाएगी। यहां पर जानबूझकर टेस्ट में डीएल के आवेदकों को फेल करके उनसे फिर अवैध वसूली का धंधा शुरू होता है। ऐसी कई शिकायतें मिली हैं।

प्रमुख सचिव परिवहन के आदेश पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा हुआ है। कमिश्नर लेकर आरटीओ और एआरटीओ तक के होश उड़े हुए हैं। प्रमुख सचिव परिवहन ने साफ तौर पर कहा कि इस पर दो दिन के भीतर रिपोर्ट बनाकर दी जाए। इस तरह के गलत आदेश जारी करने के लिए कौन-कौन से लोग दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई का भी प्रस्ताव बनाकर भेजा जाए। बताया जा रहा है कि जल्द ही प्रमुख सचिव परिवहन के आदेश का असर पूरे प्रदेश में दिखने लगेगा।

10 मिनट धूप की धूप से जाएगी सेहत फिट

नोएडा (चेतना मंच)। सर्दियों का मौसम जहां सुकून और गर्म चाय-कॉफी का आनंद लेकर आता है। वहीं यह कई लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर भी डाल सकता है। सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर एक ऐसी स्थिति है, जो सर्दियों के दौरान मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है।

फेलिक्स अस्पताल की साइकेट्रिस्ट डॉ. आशिमा रंजन का कहना है कि सर्दियों में धूप कम मिलती है, जिससे शरीर की इंटरनल क्लॉक प्रभावित होती है। इससे सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर घट सकता है, जो मूड को नियंत्रित करने में मदद करता है। कम धूप के संपर्क में रहने से विटामिन डी का स्तर गिरता है, जिससे डिप्रेशन और एंग्जायटी का खतरा बढ़ता है।

सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर के लक्षण

- हर समय उदासी और निराशा महसूस होना।
- छोटी-छोटी बातों पर चिड़चिड़ापन या गुस्सा आना।
- सामान्य कार्यों में भी ऊर्जा की कमी महसूस होना।
- हर समय सोने की इच्छा होना।
- लोगों से मिलने-जुलने का मन न करना।
- ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होना।
- विशेषकर मीठे और कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन की इच्छा बढ़ना।

ठंडे मौसम के कारण लोग घरों में बंद रहते हैं और सामाजिक मेलजोल कम हो जाता है, जिससे अकेलापन महसूस हो सकता है। सर्दियों में लंबी रातें और धीमा डेली शेड्यूल स्लीप साइकिल को प्रभावित

कम धूप के संपर्क में रहने से विटामिन डी का गिर रहा स्तर, डिप्रेशन और एंग्जायटी का खतरा बढ़ा

कर सकते हैं, जिससे मानसिक सुस्ती हो सकती है। ठंड के कारण चलना-फिरना और एक्सरसाइज कम हो जाती है, जिससे एंडोर्फिन और हैप्पी हार्मोन्स का स्तर घट सकता है। सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर का इलाज लाइट थेरेपी है। एक विशेष प्रकार की लाइट बॉक्स के जरिए रोजाना 20-30 मिनट तक कृत्रिम रोशनी में बैठने से लाभ होता है। डॉक्टर की सलाह से विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए सप्लीमेंट लिया जा सकता है। दिमाग को शांत और सकारात्मक बनाए रखने के लिए योग और ध्यान करना बेहद प्रभावी होता है। जरूरत पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क कर काउंसलिंग या थेरेपी ली जा सकती है। गंभीर मामलों में डॉक्टर की सलाह से दवाइयां ली जा सकती हैं। जरूरी है कि अपने रूटीन में बदलाव करें। थोड़ा वक्त बाहर समय बिताने की कोशिश करें, भले ही ठंड क्यों न हो। खुद को सकारात्मक विचारों और गतिविधियों में व्यस्त रखें। यदि पिछले साल भी सर्दियों में ऐसे लक्षण महसूस हुए थे, तो पहले ही डॉक्टर से सलाह लें।

बचाव के तरीके

- सुबह के समय 15-20 मिनट धूप में बैठें। यह मूड को बेहतर बनाने और विटामिन डी के स्तर को बढ़ाने में मदद करता है।
- ठंड के बावजूद घर पर ही हल्का फिजिकल एक्टिविटी करें।
- संतुलित आहार लें, जिसमें हरी सब्जियां, फलों और प्रोटीन की भरपूर मात्रा हो।
- दोस्तों और परिवार से जुड़े रहें और समय-समय पर उनसे बातचीत करें।
- सोने और उठने का समय तय करें और उसे नियमित रूप से फॉलो करें।

रोबोट के जरिए किया किडनी ट्रांसप्लांट का ऑपरेशन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में पहली बार, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा ने म्यांमार के (68 वर्षीय) मरीज की सफल रोबोट-एडेड किडनी ट्रांसप्लांट प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है।

मरीज क्रोनिक किडनी डिजीज से पीड़ित थे और पिछले साल जून से डायलसिस पर थे। मरीज का उपचार डॉ पीयूष वार्ष्णेय, डायरेक्टर-यूरोलॉजी एंड किडनी ट्रांसप्लांट, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा के नेतृत्व में डॉक्टरों की अनुभवी टीम ने किया और उन्हें 8 दिनों बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई।

मरीज को जब अस्पताल लाया गया तो वह काफी कमजोर थे और टॉक्सिन्स के जमाव तथा डायलसिस के कारगर नहीं होने की वजह से उनका पोषण स्तर भी बिगड़ चुका था। अस्पताल में उनकी विस्तृत तरीके से मेडिकल जांच की गई जिसमें ब्लड टेस्ट, अल्ट्रासाउंड, कार्डियाक जांच, नसों और धमनियों का मूल्यांकन तथा अन्य कई टेस्ट शामिल हैं। इनके नतीजों ने किडनी ट्रांसप्लांट की पुष्टि की। लेकिन पेट में मोटापे और कमजोर इम्यूनिटी के चलते जटिलताओं का रिस्क काफी बढ़ चुका था और ऐसे में रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट ही बेहतर विकल्प था।

मरीज की बहन अपने भाई के उपचार के लिए डोनर के रूप में आगे आयीं। इस सर्जरी में 4-5 घंटे लगे और मरीज की रिकवरी भी बिना किसी जटिलता के सुगम तरीके से हुई।

डॉ पीयूष वार्ष्णेय, डायरेक्टर तथा मोहित सिंह, जोनल डायरेक्टर, फोर्टिस हॉस्पीटल नोएडा, ने कहा कि यह नोएडा में रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट का पहला मामला है जिसे फोर्टिस हॉस्पीटल में किया गया।

सेक्टर-62 पहुंची नोएडा प्राधिकरण की टीम, सुनी समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने 'नौएडा आपके द्वार' कार्यक्रम के अन्तर्गत सैक्टर की समस्याओं के निराकरण के दृष्टिगत सैक्टर-62 आर0डब्लू0ए0 के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बैठक के दौरान वरिष्ठ प्रबन्धक (वर्क सर्किल-4), वरिष्ठ प्रबन्धक (जल खण्ड-1), प्रबन्धक (वर्क सर्किल-4), प्रबन्धक (वि0/यां0-2), सहा0परि0अभियन्ता (जन स्वास्थ्य-1), प्रबन्धक (उद्यान खण्ड-1) तथा सम्बंधित स्टाफ उपस्थित थे।

साथ ही सैक्टर-62 के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिव तथा अन्य सैक्टरवासी भी बैठक के दौरान उपस्थित थे। आर0डब्लू0ए0 के प्रतिनिधियों द्वारा प्राधिकरण द्वारा सैक्टर के विकास हेतु कराये गये कार्यों के अन्तर्गत कई दि मांगों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया।

इस दौरान आरडब्ल्यूए ने प्राधिकरण अधिकारियों के समक्ष सिविल की 9, उद्यान की 7, विद्युत/यांत्रिकी की 5, जन स्वास्थ्य की 4, जल/सीवर की 2 तथा एनटीसी की 2 शिकायतें मिलीं। अधिकारियों ने सेक्टर-62 आरडबल्यूए के प्रतिनिधियों को उनकी मांगों का त्वरित निस्तारण कराने के लिए आश्वासन दिया गया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

तीन दिवसीय उप्र दिवस का आयोजन 24 से शिल्पहॉट में

'विकास एवं विरासत प्रगति पक्ष पर उप्र' होगी समारोह की थीम

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-33ए स्थित शिल्पहॉटस में 24-26 जनवरी तक आयोजन की

थीम होगी विकास एवं विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश। यह जानकारी जिलाधिकारी मनीष वर्मा ने दी।

जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए बताया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश दिवस-2025 का आयोजन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश दिवस-2025 के आयोजन की थीम विकास व विरासत प्रगति पथ पर उत्तर प्रदेश है। संबंधित अधिकारियों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम में निर्धारित तिथियों के अनुरूप अपने-अपने विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं, प्रदर्शनियों, स्टॉल व प्रदेश की कला, संस्कृति व इतिहास, व्यंजनों के माध्यम से जन सामान्य को रूबरू कराते हुए शासन प्रदेश सरकार के कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, डिजिटल उत्तर प्रदेश साइबर सुरक्षा व उन्नत प्राकृतिक कृषि विषयों पर प्रदर्शनी का आयोजन के साथ ही विभिन्न लाभार्थी परक योजनाओं के सफल लाभार्थियों तथा विशिष्ट प्रतिभाओं की सक्सेज कहानी को भी फोटो, फिल्म, ब्रोशर के माध्यम से प्रदर्शित करना सुनिश्चित करें। विभिन्न विभागों द्वारा अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अपने-अपने विभाग में संचालित योजनाओं एवं परियोजनाओं की प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने मातहत अफसरों को निर्देश दिये कि कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा ऐसी विशिष्ट सफल प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाए जोकि युवा पीढ़ी के लिए अनुकरणीय हो, पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को सम्मानित किया जाए, युवा पर्यटन क्लब के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाए एवं खेल विभाग द्वारा दिए जाने वाले पुरस्कारों का वितरण भी उत्तर प्रदेश दिवस में किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों द्वारा अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए अपनी-अपनी सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जाए तथा जनपद में सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें।